लखनऊ

शनिवार, 9 अगस्त, 2025

वर्ष : 11 | अंक: 30

मूल्य : 1 रुपये

पृष्ठ : 8

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

UPHIN/2014/57034

"जीवन एक किताब है और हम हर दिन एक नया पन्ना लिख रहे हैं।"

TODAY WEATHER

DAY 37° Hi

NIGHT 26° Low

संक्षेप

ऑपरेशन धराली : 357 लोगों को रेस्क्यू किया गया, आठ सैनिक और 100 लोग अभी भी लापता

नई दिल्ली। उत्तराखंड के धराली और हर्षिल क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन के बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन धराली के तहत राहत और बचाव कार्यों की कमान संभाल रखी है। सेना के मुताबिक यहां अब तक 357 से अधिक नागरिकों को वायु और स्थल मार्ग से सुरक्षित निकाला गया है। इनमें से 119 को देहरादून एयरलिफ्ट किया गया। 13 सैनिकों को भी रेस्क्यू किया गया है। 2 नागरिकों की मौत की पुष्टि हुई है। हालांकि 14 राज राइफल्स के 08 सैनिक व लगभग 100 नागरिक अभी भी लापता है। सेना के मुताबिक 7 अगस्त को कुल 68 हेलिकॉप्टर उड़ानें संचालित की गई। इनमें भारतीय वायुसेना की 6, भारतीय सेना की 7 और नागरिक हेलिकॉप्टर की 55 उड़ानें शामिल हैं। सी-295 विमान के माध्यम से देहरादून, हर्षिल, मतली और धारासू के बीच हेली-ब्रिजिंग जारी है। वहीं हेलिकॉप्टरों के जरिए राहत सामग्री, उपकरण और राहतकर्मी पहुंचाए जा रहे हैं, साथ ही दुर्गम क्षेत्रों से नागरिकों को निकाला जा रहा है। भारतीय सेना की टुकड़ियां, इंजीनियर, मेडिकल टीमें, और खोजी कुत्ते राहत कार्य में जुटे हैं। एनडीआरएफ के 105 जवान और एसडीआरएफ के दल मौके पर सक्रिय हैं। आईटीबीपी की टीमें, जिनमें चिकित्सा अधिकारी भी शामिल हैं, धराली और हर्षिल में तैनात हैं। डॉक्टर्स, नर्सिंग असिस्टेंट्स, और कॉम्बैट मेडिक्स द्वारा बचाए गए लोगों को प्राथमिक उपचार दिया जा रहा है। सेना के साथ भारतीय वायुसेना, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, आईटीबीपी, बीआरओ और नागरिक प्रशासन मिलकर यह बहु-एजेंसी राहत अभियान चला रहे हैं। वर्तमान स्थिति की बात करें तो धराली अभी भी सड़क मार्ग से पूरी तरह कटा हुआ है, हालांकि सड़क साफ करने का कार्य लिमचिगाड़ तक पहुंच चुका है।

वे वही काम कर रहे हैं जो उनकी दादी ने किया था...राहुल गांधी पर मनोज तिवारी का तंज

नई दिल्ली, एजेंसी। चुनाव आयोग पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी के दावों पर भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने पलटवार किया है। भाजपा सांसद ने कहा कि राहुल गांधी एक वंशानुगत नेता हैं। जिस वंश से वे आते हैं, उसने हमेशा तानाशाही की भाषा बोली है। यह भाषा धमकी भरी भी है, और चुनाव आयोग को इसका संज्ञान लेना चाहिए। उन्हें हमें बताना चाहिए कि किसका वोट गलत तरीके से हटाया गया। लेकिन अगर वे चाहते हैं कि अवैध घुसपैठिए अपना वोट डालें या मृत लोगों की जगह कोई और वोट डाले, तो वे वही काम कर रहे हैं जो उनकी दादी (इंदिरा गांधी) ने किया था - लोकतंत्र की हत्या....। चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' को लेकर गंभीर आरोप लगाने के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी भाजपा के निशाने पर आ गए हैं। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता भूपेंद्र यादव ने कहा कि बहुत दिनों से हमारे देश के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी एक एटम बम छोड़ने की बात कर रहे थे। मुझे कल किसी मित्र ने कहा कि ये तो जिस पेड़ पर बैठे थे, उसी को कुल्हाड़ी से काटने का काम कर रहे थे। सच कहूं, तो कांग्रेस के युवराज और नेता प्रतिपक्ष की भाषा का जो अहंकार था, वो चुनाव आयोग के कर्मचारियों के लिए था।

एक बार फिर राहुल गांधी ने लगाए गंभीर आरोप

'चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर कर रहे वोट चोरी'

नई दिल्ली, एजेंसी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर राजनीतिक गर्माहट तेज हो गई है। इसी सिलसिले में बयानबाजी तेज तब हो गई जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनाव प्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए एक बार फिर भाजपा और चुनाव आयोग (ईसी) पर बड़ा हमला बोला है। शुक्रवार को अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो जारी कर राहुल ने आरोप लगाया कि देश में चुनाव चोरी हो रहे हैं और इसमें भाजपा को चुनाव आयोग का पूरा सहयोग मिल रहा है। राहुल गांधी ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को संस्थागत चोरी करार देते हुए कहा कि इसका असली मकसद गरीबों के वोटिंग अधिकार को छीनना है।

हमने पकड़ ली भाजपा और चुनाव आयोग की चोरी- राहुल

राहुल ने कहा सच्चाई यह है कि भारत में चुनाव आयोग और भाजपा मिलकर चुनाव चुरा रहे हैं। हमने उनकी चोरी पकड़ ली है, इसीलिए अब एसआईआर लाया गया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का असली उद्देश्य गरीबों को वोट देने से रोकना है। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि अगर भाजपा के पास 10-15 सीटें कम होतीं, तो नरेंद्र मोदी दोबारा प्रधानमंत्री नहीं बनते और आज इंडिया गठबंधन की सरकार होती।

कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर डेटा विश्लेषण का दावा

कांग्रेस नेता ने इससे पहले गुरुवार को एक वीडियो के माध्यम से चुनाव आयोग को लेकर बड़े-बड़े दावे किए थे। उन्होंने कर्नाटक की बंगलूरु सेंट्रल लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां 1,00,250 वोट चोरी हुए। उन्होंने बताया कि यह चोरी 5 अलग-अलग तरीकों से की गई, जिसमें डुप्लीकेट वोटर के 11,965, फर्जी या गलत पते वाले वोटर के 40,009, एक ही पते पर दर्ज सैकड़ों वोटर के 10,452, गलत फोटो वाले वोटर के 4,132 इसके साथ ही फॉर्म-6 का गलत इस्तेमाल के 33,692 मामले है।

EC से मांगा डेटा, नहीं मिला जवाब'

राहुल ने बताया कि जब उन्होंने और उनके सहयोगियों ने चुनाव आयोग से वोटर लिस्ट और पोलिंग बूथ की वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी, तो उन्हें कुछ नहीं दिया गया। उन्होंने कहा कि इससे यह शक और गहराया कि चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर काम कर रहा है। अपने वीडियो को एक्स पर शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा: वोट चोरी सिर्फ चुनावी घोटाला नहीं है, यह संविधान और लोकतंत्र के खिलाफ बहुत बड़ा अपराध है। देश के अपराधियों को सुन लेना चाहिए वक्त बदलेगा, सजा जरूर मिलेगी।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर लगाया देशद्रोह करने का आरोप

राहुल ने चुनाव आयोग को खुली चेतावनी देते हुए कहा मैं चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों से साफ कहता हूं जो आप कर रहे हैं वो देशद्रोह है। वक्त आएगा, हम आपको पकड़ेंगे और छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ वोटर जोड़ने वाले मामलों की जांच की है, जबकि वोटर हटाने के मामले इससे भी ज्यादा हो सकते हैं। चुनावों के नतीजे जनता के मूड से उलट क्यों आते हैं?साथ ही राहुल ने बताया कि कई बार उन्होंने महसूस किया कि जनता में गुस्सा था, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की घटनाओं को याद किया और कहा कि कई जगह रहस्यमयी वोटर्स सामने आए, जो अचानक लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच वोटर लिस्ट में जुड़ गए और उनका वोट सीधा भाजपा को जाता है।

घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर करें या देश से माफी मांगें राहुल गांधी: चुनाव आयोग

नई दिल्ली। राहुल गांधी की ओर से चुनाव आयोग पर लगाए गए 'वोट चोरी' के गंभीर आरोपों पर आयोग ने सख्ती दिखाई है। चुनाव आयोग ने इस पूरे मामले की जांच करने के लिए राहुल गांधी से हलफनामा देने की मांग की है। सूत्रों के अनुसार, चुनाव आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी को अपने विश्लेषण पर भरोसा है और वे चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए आरोपों को सच मानते हैं, तो उन्हें बिना किसी हिचकिचाहट के घोषणा-पत्र (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। आयोग ने कहा कि यदि राहुल गांधी इस घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर नहीं करते, तो इसका सीधा अर्थ होगा कि उन्हें अपने ही विश्लेषण और उसके आधार पर लगाए गए आरोपों पर विश्वास नहीं है। ऐसे में, चुनाव आयोग के खिलाफ लगाए गए 'बेतुके आरोपों' के लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।

'जो भारत में नहीं जन्मा, उसे वोट का अधिकार नहीं'

एसआईआर पर अमित शाह का जवाब, राहुल-लालू पर जमकर साधा निशाना

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर चल रहे राजनीतिक विवाद को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि विपक्षी दल बहाने ढूंढ रहे हैं क्योंकि उन्होंने आगामी राज्य विधानसभा चुनावों में अपनी हार स्वीकार कर ली है। एसआईआर को लेकर हुंकार भरते हुए शाह ने कहा कि लालू प्रसाद यादव किसे बचाना चाहते हैं? क्या आप उन बांग्लादेशियों को बचाना चाहते हैं जो बाहर से आकर बिहार के लोगों की नौकरियाँ छीन लेते हैं?

शाह ने साफ तौर पर कहा कि राहुल गांधी को ये वोट बैंक की राजनीति बंद करनी चाहिए और एसआईआर, ये पहली बार नहीं हो रहा है। इसकी शुरुआत जवाहरलाल नेहरू ने की थी और 2003 में भी यही हुआ था... बिहार चुनाव हारने के बाद ये बहाने ढूंढ रहे हैं। शाह ने वहां मौजूद लोगों से पूछा कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले घुसपैठियों के नाम वोटर लिस्ट से हटाए जाने चाहिए या नहीं? भारत का संविधान उन लोगों को वोट देने का अधिकार नहीं देता जो भारत में पैदा नहीं हुए। राहुल गांधी संविधान लेकर घूम रहे हैं, उन्हें भी इसे खोलकर पढ़ना चाहिए। एसआईआर, ये इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि घुसपैठिए इनका वोट बैंक हैं।

अमित शाह ने कहा कि बिहार में बहुमत से एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने सवाल करते हुए कहा कि मैं तेजस्वी यादव से पूछना चाहता हूं, उनके पिता और माता लंबे समय तक सत्ता में रहे। गुंडागर्दी, गैंग चलाने, अपहरण करने, फिरौती मांगने के अलावा आपने मिथिलांचल के विकास के लिए क्या किया है? शाह ने कहा कि कांग्रेस पार्टी और लालू संसद में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर रहे हैं...लालू एंड कंपनी को पता नहीं है कि ये नरेंद्र मोदी की सरकार है, एनडीए की सरकार है। देश की सुरक्षा से खिलवाड़ करने का किसी को हक नहीं है।

उन्होंने कहा कि मोदी जी ने वैश्विक मंच पर मिथिला की कला को हमेशा आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने अर्जेंटीना की उपराष्ट्रपति को मधुबनी पेंटिंग भेंट की और दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति को भी मिथिलांचल की कला का नमूना देकर विदेश में मिथिला की कला का गौरव बढ़ाया है। माँ जानकी की जन्मस्थली पर जो यह भव्य मंदिर बनने जा रहा है, यह केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि मिथिलांचल के भाग्योदय की शुरुआत है।

बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकती ईडी : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पष्ट रूप से कहा कि प्रवर्तन निदेशालय बदमाशों की तरह काम नहीं कर सकता और उसे कानून के दायरे में ही रहना होगा। कोर्ट ने यह टिप्पणी केंद्रीय जांच एजेंसी की ओर से जांचे गए मामलों में दोषसिद्धि की कम दरों पर चिंता जताते हुए की गई। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुईयां और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच जुलाई, 2022 के सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस फैसले में धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत ईडी की व्यापक शक्तियों की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा गया था।

बेंच ने ईडी की छवि को लेकर चिंता जताते हुए कहा, 'हमने क्या देखा कि, जो संसद में एक मंत्री के बयान से भी सच साबित हो गया कि पांच हजार मामलों में से 10 से भी कम केस में दोषसिद्धि हुई।' सुनवाई के दौरान, अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने दलील दी कि ईसीआईआर (प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट) की कॉपी देने के लिए बाध्य नहीं है। एएसजी ने आगे कहा कि जांच अधिकारियों को इसलिए भी मुश्किल होती है क्योंकि मुख्य आरोपी अक्सर आइलैंड जैसे देशों में भाग जाते हैं, जिससे जांच में बाधा आती है।

यूपी के बाराबंकी में भारी बारिश के कारण रोडवेज बस पर गिरा पेड़, चालक समेत 4 की मौत

आर्यावर्त क्रांति

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां यूपी रोडवेज की एक बस पर अचानक पेड़ गिर गया। इस हादसे में बस में सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। मामला हरख चौराहे के राजा बाजार क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ जब भारी बारिश के बीच एक रोडवेज बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। बारिश के कारण पेड़ की जड़ें कमजोर हो गईं, जिससे वह अचानक बस पर गिर पड़ा। पेड़ के गिरने से बस की छत पूरी तरह चकनाचूर हो गई और कई यात्री उसके नीचे दब गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। उन्होंने बस में फंसे घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि, इस हादसे में चालक सहित चार यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इस बीच, घटनास्थल से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है, जिसमें बस के अंदर कुछ लोग फंसे हुए नजर आ रहे हैं। वहीं, बाराबंकी से कांग्रेस सांसद तनुज पुनिया ने इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, बाराबंकी के ब्लॉक हरख में राजा बाजार के पास तेज बारिश के कारण बस पर पेड़ गिरने से कई यात्रियों की दुखद मृत्यु एवं गंभीर रूप से घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है।

'फर्जी वोटों के कारण 2019 चुनाव हारी थी कांग्रेस', खड़गे ने पीएम मोदी और बीजेपी पर बोला हमला

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर तीखा हमला बोलते हुए वोट चोरी का आरोप लगाया। बेंगलुरु के फ्रीडम पार्क में कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए, मल्लिकार्जुन खड़गे ने दावा किया कि पार्टी 2019 के आम चुनाव 'फर्जी वोटों' के कारण हारी थी। खड़गे ने कहा कि मौजूदा सरकार चोरी की सरकार है। मोदी फर्जी वोटों से इस देश को चला रहे हैं। मैंने 2019 में यह कहा था। अपने पूरे जीवन में, मैं 2019 के चुनावों में हारा हूँ, मैं भी फर्जी वोटों के कारण हारा हूँ, जो अब सामने आया है।

बेंगलुरु सेंट्रल के महादेवपुरा में राहुल गांधी के वोट चोरी के दावे को दोहराते हुए, खड़गे ने दावा किया कि चुनाव आयोग प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इशारे पर काम करता है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु में हुए चुनावों में, एक विधानसभा में 6,60,000 वोटों का सत्यापन किया है। पिछला चुनाव विश्वासघात का चुनाव था। मोदी की कोशिश है कि अगर लोग वोट न भी दें, तो मोदी और अमित शाह चुनाव आयोग को आदेश दें कि वह तय करे कि कहाँ कम वोट देना है और कहाँ ज्यादा। प्रधानमंत्री मोदी पहले ही कांग्रेस और अन्य दलों को डराकर बहुमत हासिल कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने महाराष्ट्र और कर्नाटक विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव अवैध रूप से जीते हैं। उन्होंने कहा कि इससे पहले महाराष्ट्र और कर्नाटक में भी उन्होंने यही चाल चली है। मोदी एंड कंपनी 2024 का चुनाव नहीं जीत पाई। उन्होंने आगे कहा कि इंडिया ब्लॉक के सांसद 11 अगस्त को दिल्ली स्थित चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च करेंगे। उन्होंने कहा कि यह सरकार नहीं टिकेगी। हम उन्हें सिर्फ गिराएँगे ही नहीं, बल्कि उन्हें सबक भी सिखाएँगे; वे ख़राब आर्थिक नीतियों से हमारे देश को बर्बाद कर रहे हैं। खड़गे ने कहा कि सोमवार को सभी सांसद दिल्ली में चुनाव आयोग जाएँगे और आयोग से अपील करेंगे।

'दुनिया भर में चुनाव आयोग का बचाव किया है, लेकिन इसके बाद नहीं', राहुल के आरोपों के बाद ऐसा क्यों बोले योगेंद्र यादव

नई दिल्ली, एजेंसी। राजनीतिक विश्लेषक और स्वराज इंडिया के नेता योगेंद्र यादव ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के मतदाता सूची में हेराफेरी के विस्फोटक आरोपों का सार्वजनिक समर्थन किया है और चेतावनी दी है कि राहुल गांधी द्वारा जारी किए गए आंकड़े चुनाव आयोग में जनता के विश्वास को हिला सकते हैं। शुक्रवार को बेंगलुरु में 'वोट अधिकार रैली' को संबोधित करते हुए, गांधी ने अपने इस दावे पर ज़ोर दिया कि भाजपा ने लोगों से लोकसभा चुनाव चुराया और चुनाव आयोग भी इस प्रयास में मदद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग मुझसे शपथ लेकर हलफनामा दाखिल करने के लिए कह रहा है। लेकिन मैं पहले ही संसद के अंदर संविधान की शपथ ले चुका हूँ। गांधी ने आरोप लगाया था कि एक करोड़ नए मतदाता ऐसे हैं जिन्होंने लोकसभा चुनाव में हिस्सा नहीं लिया था, लेकिन महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में वोट दिया। उन्होंने दावा किया कि इन्हीं वोटों ने भाजपा को आश्चर्यजनक जीत दिलाने में मदद की। गांधी ने कहा कि इन नए मतदाताओं ने जहाँ भी वोट डाला, भाजपा जीती। हमारे गठबंधन के वोटों की संख्या में कोई बदलाव नहीं आया, जो लोकसभा चुनाव के आंकड़ों से बिल्कुल मेल खाता है। इन्हीं नए मतदाताओं ने विधानसभा चुनावों में भाजपा की सफलता में अहम भूमिका निभाई।

योगेंद्र यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में गांधी के दावों का जवाब देते हुए कहा कि उन्होंने दशकों तक भारत की चुनावी प्रक्रिया और चुनाव आयोग की ईमानदारी का बचाव किया है, लेकिन अब सबूतों की गंभीरता से जाँच की ज़रूरत है। यादव ने कहा कि मैंने दुनिया भर में अनगिनत व्याख्यान दिए हैं और अमेरिका और ब्रिटेन को भारतीय चुनाव आयोग से सीखने के लिए कहा है। कर्नाटक के सिर्फ़ एक विधानसभा क्षेत्र में, राहुल गांधी ने दिखाया है कि एक लाख से ज़्यादा वोट फ़र्ज़ी थे, और मतदाता सूची में 15-20% नाम गलत थे। यह कोई छोटी-मोटी अनियमितता नहीं है।

उन्होंने स्वीकार किया कि उन्हें लंबे समय से अनियमितताओं का संदेह था, लेकिन बिना आँकड़ों के वे कुछ भी कहने से बचते रहे। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश, हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनावों के बाद, मुझे लगा कि कुछ गड़बड़ है। लेकिन मेरे पास सबूत नहीं थे। अब राहुल गांधी ने विस्फोटक सबूत पेश किए हैं। उन्होंने जाँच शुरू करने के बजाय राहुल गांधी से हलफनामा माँगने के लिए चुनाव आयोग की आलोचना की। कोई भी विश्वसनीय चुनाव आयोग सबूतों की जाँच करेगा, मतदाता सूचियों को सही करेगा और दोषियों को सज़ा देगा।

बाढ़ से बंद हुए रास्ते, नाव पर सवार होकर बिहार से बलिया पहुंची बारा

आर्यावर्त क्रांति

बलिया। पिछले काफी समय से हो रही लगातार बारिश ने अपना कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पहाड़ों पर जहां बादल फट रहे हैं वहीं दूसरी ओर मैदानी इलाकों में नदियां उफान पर है। कई राज्यों में बाढ़ की स्थिति है। ऐसे में एक चौंका देने वाली घटना सामने आयी है। उत्तर प्रदेश के बलिया में गंगा नदी में आयी बाढ़ से सड़क मार्ग बंद हो जाने के कारण बिहार से एक बारात नाव पर सवार होकर बलिया पहुंची। नाव पर सवार बारातियों को नदी की मौजों से बेखबर पूरे उत्साह से तालियां बजाते हुए मंजिल की तरफ बढ़ने का यह नजारा ग्रामीणों के लिये कौतूहल भरा रहा। यह पूरा मामला क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया है। बिहार के बक्सर जिला के नैनीजोर लाल डेरा गांव के रहने वाले कमलेश राम के बेटे राजेश कुमार की शादी बलिया के बेयासी गांव में तय हुई थी।

शादी की तैयारियों के बीच बक्सर जिला में भारी बारिश के कारण गंगा नदी की बाढ़ की चपेट में आ गया। बाढ़ की वजह से सारे रास्ते जलमग्न होकर बंद हो गए। सड़क मार्ग के पूरी तरह जलमग्न हो जाने से बारात लेकर जाना मुश्किल हो गया। कमलेश राम ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं को बताया कि बाढ़ के कारण शादी पर ग्रहण लग गया। ऐसी विषम स्थिति में परिवार ने नाव से बारात ले जाने का फैसला किया। गंगौली गांव के पास तटबंध के नीचे से एक सजी-धजी नाव पर बारात निकली। दूल्हा राजेश साफा पहन कर पारंपरिक पोशाक में नाव पर बैठा और उसके साथ तकरीबन 25 बाराती दो नावों पर सवार होकर निकले। नाव पर कोई डीजे नहीं था, न ही बैंड-बाजा लेकिन गंगा की लहरों की थपकी और नाविकों की ताल ने माहौल को खास बना दिया। बारातियों ने भी पूरे जोश में ढोलक की जगह तालियां बजाई।

ग्रामीणों के लिए यह दृश्य अनोखा था। लोगों ने अपने मोबाइल से इस खास बारात की फोटो ली व वीडियो बनाई और सोशल मीडिया पर साझा शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह बारात इलाके में चर्चा का विषय बन गई। दूल्हे के पिता कमलेश राम ने बताया कि शादी की तारीख पहले से तय थी और इसे रद्द करना संभव नहीं था, इसीलिए नाव से बारात ले जाने का निर्णय लिया गया। गंगा मैया की लहरों ने इस बारात को यादगार बना दिया। वहीं दूसरी तरफ बिहार के मुजफ्फरपुर और सारण जिलों में बाढ़ की स्थिति विकट हो गई है। नदियों का जलस्तर बढ़ने से तटबंध टूट गए हैं, गाँव अलग-थलग पड़ गए हैं और ज़रूरी सड़क संपर्क टूट गए हैं। हज़ारों लोग फँस गए हैं और उनकी आजीविका ख़तरे में पड़ गई है।

मुज़फ़्फ़रपुर में, बागमती नदी ख़तरनाक रूप से उफान पर है, ख़ासकर औराई ब्लॉक में, जहाँ जलस्तर तीन फ़ीट से ज़्यादा बढ़ गया है, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई है। मंगलवार को, बभनगामा पूर्वी टोला में चचरी पुल तेज धाराओं में पूरी तरह बह गया। यह पुल कई गाँवों के लिए एकमात्र जीवनरेखा था, जो अब पूरी तरह से जलमग्न हो गया है।

एक आदेश पर कोर्ट में ठनी, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से इलाहाबाद हाईकोर्ट खफा, हाईकोर्ट के 13 जजों ने लिखी चिट्ठी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

प्रयागराज। देश में 2 कोर्ट के बीच टकराव की स्थिति बनती दिख रही है। मामला सुप्रीम कोर्ट और इलाहाबाद हाईकोर्ट के बीच का है। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज जस्टिस प्रशांत कुमार को क्रिमिनल केस सुनने से रोक दिया तो इससे नाराज हाईकोर्ट के 13 जजों ने अपने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर यह अनुरोध कर डाला कि फुल कोर्ट बैठक बुलाई जाए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के 13 जजों ने सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश की अधिकारिता को चुनौती देते हुए लेकर फुलकोर्ट मीटिंग बुलाने की मांग की है। जस्टिस अरिंदम सिन्हा और अन्य जजों ने हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली को इस संबंध में पत्र लिखा है।

SC के आदेश पर जताई चिंता

मामला 4 अगस्त का है, जब अपने एक कठोर निर्देश में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर। महादेवन की खंडपीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध किया कि जस्टिस प्रशांत कुमार को उनकी रिटायरमेंट तक क्रिमिनल केसों की सुनवाई से हटा दिया जाए और उन्हें हाईकोर्ट के एक अनुभवी वरिष्ठ जस्टिस के साथ खंडपीठ में बैठाया जाए।

जस्टिस प्रशांत कुमार के खिलाफ यह निर्देश और तीखी टिप्पणियां उनके उस फैसले के लिए दी गईं जिसमें उन्होंने कहा था कि दीवानी मामलों में धन की वसूली के लिए वैकल्पिक साधन के रूप में आपराधिक अभियोजन का इस्तेमाल किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, जस्टिस अरिंदम सिन्हा ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर आश्चर्य और चिंता जताई।

'सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन न करे HC'

मुख्य न्यायाधीश भंसाली को भेजे अपने पत्र में जस्टिस सिन्हा ने कहा, "4 अगस्त, 2025 का विषयगत आदेश नोटिस जारी करने के निर्देश के बिना जारी किया गया था और इसमें विद्वान जस्टिस के खिलाफ तीखे निष्कर्ष भी शामिल हैं।" उन्होंने सुझाव दिया कि हाईकोर्ट की फुल कोर्ट यह तय करे कि हाईकोर्ट जस्टिस प्रशांत कुमार को क्रिमिनल केसों की सूची से हटाने के आदेश का पालन नहीं करेगा क्योंकि शीर्ष न्यायालय के पास हाईकोर्ट को लेकर पर प्रशासनिक अधीक्षण नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि फुल कोर्ट को "उक्त आदेश के स्वर और भाव को लेकर" को लेकर भी अपनी तकलीफ दर्ज करानी चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पिछले दिनों हाईकोर्ट के जस्टिस की आपराधिक कानून की समझ पर कड़ी टिप्पणी की थी। तब सुप्रीम कोर्ट ने कहा, "हम विवादित आदेश के पैराग्राफ 12 में दर्ज फैसलों से स्तब्ध हैं। कोर्ट ने यहां तक कहा कि शिकायतकर्ता से सिविल उपाय अपनाने के लिए कहना बहुत अनुचित होगा क्योंकि सिविल मुकदमों में लंबा समय लगता है, और इसलिए शिकायतकर्ता को वसूली के लिए आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की अनुमति दी जा सकती है।"

जस्टिस प्रशांत कुमार ने क्या कहा था

कोर्ट ने यह आदेश हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर पारित किया था जिसमें मेसर्स शिखर केमिकल्स (याचिकाकर्ता) की ओर से दाखिल एक आवेदन को खारिज कर दिया गया था, जिसमें एक वाणिज्यिक लेन-देन से उत्पन्न आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने कार्यवाही रद्द करने के लिए हाईकोर्ट में याचिका लगाई जिसमें दावा दिया गया कि यह विवाद पूरी तरह से दीवानी प्रकृति का है और इसे अनुचित रूप से आपराधिक रंग दिया गया है। लेकिन हाईकोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

5 मई के अपने आदेश में जस्टिस प्रशांत कुमार ने कहा था कि शिकायतकर्ता को सिविल केस चलाने के लिए बाध्य करना बहुत अनुचित होगा क्योंकि ऐसे केसों को खत्म होने में सालों लग जाते हैं और इसलिए, क्रिमिनल केस ही चलाना उचित है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस तर्क को अस्वीकार्य बताया। उसने, हाईकोर्ट की ओर से पारित आदेश को रद्द कर दिया गया और केस को एक अन्य जस्टिस के समक्ष नए सिरे से विचार के लिए भेज दिया।

कोतवाली में श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं चेहल्लुम को लेकर हुई बैठक

आर्यावर्त संवाददाता

बहेड़ी-बरेली। कोतवाली देवरिया में आगामी त्यौहार श्री कृष्ण जन्माष्टमी एवं चेल्लम को लेकर फीस कमेटी की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी आशुतोष द्विवेदी ने निर्देश दिए की क्षेत्र में सभी लोग आपस में मिलकर त्योहार मनाए। कोई किसी के त्यौहार में दखलंदाजी नहीं करें एक दूसरे का सहयोग करें, भाईचारा बनाए रखें। उन्होंने सुझाव दिया कि जन्माष्टमी त्योहार को लेकर अक्सर सड़कों पर निकलते हैं कृपया अपने नाबालिग छोटे बच्चों को मोटरसाइकिल आदि न दें। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से भी अपील करते हुए कहा कि चेहल्लुम पर कोई भी नई परंपरा ना डालें। इस दौरान बैठक में आए लोगों से उन्होंने सुझाब भी लिए और लोगों की समस्याओं के साथ-साथ उनका हाल-चाल भी जाना। उन्होंने कहा कि खुरापात करने वाले खुरपतियों की सूचना तुरंत पुलिस को।

शराबियों ने घर में घुसकर महिला से की मारपीट व घर मे रखा सारा सामान किया तहस नहस, रिपोर्ट दर्ज

दियोरिया, पीलीभीत। शराबियों ने घर में घुसकर महिला से अश्लील शब्दों का प्रयोग करते हुऐ घर में रखा सारा सामान तोडफोड कर तितर बितर कर फेंक दिया विरोध करने पर शराबियों ने महिला को मारपीट कर घायल कर दिया चीख-पुकार पर बचाने दौड़े ग्रामीणों को देखकर शराबी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये। शराबियों के जाने के पश्चात महिला कोतवाली पहुंची तथा पुलिस को एक तहरीर दी पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। गौरतलब हो कि कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मिन्तरपुर निवासी हरीशकर घर पर नहीं था उसकी पत्नी धर्मवती घर पर अकेली थी कि उसी समय तीन शराबी उसके घर पर जा धमके तथा महिला से अश्लील शब्दों का प्रयोग करने लगे महिला के विरोध करने पर शराबियों ने गाली गलौज करते हुए घर में रखा सारा सामान तोडफोड कर तितर बितर फेंक जिस पर महिला ने नाराजगी जताई।

सीतापुर एनकाउंटर : शूटरों की तलाश में कांवड़ियों के वेश में घूमी एसओजी टीम, नोएडा से दोनों आए थे हरदोई

आर्यावर्त संवाददाता

सीतापुर। पत्रकार राघवेंद्र बाजपेयी की आठ मार्च को हुई हत्या के मामले में आखिरकार पुलिस को सफलता मिल गई। जेल भेजे गए तीन आरोपियों से पूछताछ में दो शूटरों के नाम सामने आए थे।

करीब पांच माह की मेहनत के बाद एसओजी व एसटीएफ शूटरों का मूवमेंट ट्रैक कर सके। एसओजी टीम सावन में कांवड़ियों के वेश में घूमी। इसी टीम ने बृहस्पतिवार भोर करीब 4:30 बजे दोनों के हरदोई से पिसावां की ओर मूवमेंट की जानकारी दी।

पुलिस टीमों ने घेराबंदी की और मुठभेड़ में शूटरों को ढेर कर दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार 8 मार्च को वारदात के बाद से ही एसओजी की स्वॉट, सर्विलांस और नारकोटिक्स टीमें शूटरों की तलाश में जुट गईं। शूटरों के नोएडा के एक इलाके में होने की जानकारी मिली थी।

हत्याकांड से '8' अंक का खास नाता

राघवेंद्र की हत्या में आठ अंक का अजब संयोग है। आठ मार्च को उनकी हत्या हुई। राघवेंद्र की हत्या से लेकर शूटरों के एनकाउंटर तक आठ ही गोलियों का इस्तेमाल हुआ। चार गोलियां राघवेंद्र को लगीं और चार ही गोलियों में दोनों शूटर भी ढेर हो गए। राघवेंद्र की बाइक का नंबर भी 8005 है। आठवें महीने में पुलिस ने आरोपियों को मार गिराया। आठ अगस्त को ही शूटरों का अंतिम संस्कार होगा।

नाजिमा से शादी कर कृष्ण गोपाल तिवारी बन गए थे करीम खान

अटवा निवासी 95 वर्षीय रामप्रसाद शुक्ला ने बताया कि शूटरों के पिता कृष्ण गोपाल तिवारी को नाजिमा से प्रेम हो गया था। नाजिमा के प्यार में पड़ कर उन्होंने अपना नाम करीम खान रख लिया था। कृष्ण गोपाल ने नाजिमा से विवाह नहीं किया था। बस दोनों साथ रहते थे। दोनों से तीन पुत्र संजय, राजू व राहुल हुए। पुत्री की मौत हो गई थी।

टीम को मिलेगा सवा लाख का इनाम

एसपी सीतापुर अंकुर अग्रवाल का कहना है कि एसओजी व एसटीएफ की संयुक्त टीम को अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन की ओर से 50 हजार रुपये, आईजी रेंज की ओर से 25 हजार रुपये व मेरी ओर से 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। सभी को सम्मानित किया जाएगा। राघवेंद्र हत्याकांड में यह दोनों शूटर पुलिस के लिए चुनौती थे। यह पुलिस टीम के लिए बड़ी कामयाबी है।

बाराबंकी–हैदरगढ़ मार्ग पर बस पर गिरा पेड़, चार महिलाओं सहित पांच की मौत, यूपी सरकार ने मुआवजे का किया एलान

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। बाराबंकी जिला मुख्यालय से नौ किलोमीटर दूर हैदरगढ़ मार्ग पर रोडवेज की अनुबंधित बस पर गूलर का पेड़ गिर गया। पेड़ बस के अगले हिस्से पर गिरा। हादसे में चार महिलाओं समेत पांच लोगों की मौत हो गई। एक महिला की पहचान शहर के मोहल्ला गुलरिया गार्दा की निवासी शिक्षा मेहरोत्रा (53) के रूप में हुई है।

तीन अन्य महिलाओं की आयु 40 से 45 साल के मध्य है। पेड़ काटकर लोगों को निकाला गया। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 40 लोग सवार थे। हादसे के बाद कई यात्री खिड़की से कूदकर निकले। बारिश के दौरान हुए हादसे के कारण राहत व बचाव कार्य में देर लगी।

मृतकों के परिजनों को मिलेंगे पांच लाख रुपये

घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है और मृतकों के परिजनों को ₹5 लाख की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

सवारियां लेकर बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही बस पर करीब साढ़े 10 बजे जैदपुर थाना क्षेत्र की ग्राम हरख में स्थित राजा बाजार के पास पेड़ गिर पड़ा। पेड़ इतनी तेज गिरा कि बस के आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।

बारिश के बीच में पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस और वन विभाग को सूचना दी। बस के अंदर फंसे लोगों की चीखपुकार दिल को दहला देने वाली थी। पेड़ काटने का काम वन विभाग के कर्मचारियों ने किया। ग्रामीण सहयोग में लगे रहे। सीएमओ अवधेश कुमार यादव ने बताया कि हादसे में चार महिला व एक ड्राइवर सहित कुल पांच की मौत हुई है। बस में सवार एक यात्री नादिया ने बताया कि वो देवाशरीफ होकर वापस लौट रही थीं कि रास्ते में हादसा हो गया। हादसे में उनकी मां घायल हुई हैं।

ट्रेनिंग के लिए जा रही शिक्षिक हुई घायल

कोटवा निवासी शिक्षिका शैल कुमारी ने बताया कि वह असंद्रा ट्रेनिंग के लिए जा रही थीं। अचानक बस चालक ने जोर से आवाज लगाई और उसी समय बस पर पेड़ गिर चुका था, जिससे कई यात्री घायल हो गए। उन्होंने बताया कि लगभग डेढ़ घंटे बाद पेड़ को काटकर हटाया गया तब यात्री बाहर निकल पाए।

अमेरिकी टैरिफ के विरोध में व्यापारियों का प्रदर्शन, ट्रंप का पुतला दहन

पीलीभीत। अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर भारी आयात शुल्क लगाए जाने के विरोध में उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल पीलीभीत ने ज़ोरदार प्रदर्शन किया। ज़िला अध्यक्ष एम. ए. जिलानी के निर्देश पर नगर अध्यक्ष रणवीर पाठक के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने भारी वर्षा के बावजूद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पुतला दहन कर नाराज़गी जताई।ज़िला अध्यक्ष जिलानी ने चेतावनी दी कि इन टैरिफ से भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर नकारात्मक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा,भारत के निर्यात पर सीधा असर होगा, कई उद्योग प्रभावित होंगे और आर्थिक विकास दर गिर सकती है।ज़िला महामंत्री पंकज अग्रवाल ने बताया कि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाज़ार है और टैरिफ लगने से भारतीय वस्तुएँ वहाँ महंगी हो जाएंगी, जिससे माँग 40–60% तक घट सकती है। नगर अध्यक्ष रणवीर पाठक ने कहा कि इसका सबसे ज़्यादा असर कपड़ा, रत्न-आभूषण, चमड़ा, जूते, समुद्री खाद्य और हस्तशिल्प जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों पर पड़ेगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी उ.प्र. द्वारा ज़ारी की गई प्रमाणिक जानकारी

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। कार्यालय मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश द्वारा दी गई जानकारी का हवाला देते हुए जिला निर्वाचन कार्यालय बाराबंकी द्वारा अवगत कराया गया है कि श्री राहुल गांधी जी, नेता प्रतिपक्ष लोक सभा द्वारा विगत दिनांक 7 अगस्त, 2025 को The foundation of the constitution is the vote, Vote has been destroyed विषयक एक प्रेस कांफ्रेंस की गयी। जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य का भी जिक किया गया जिसमें उनके द्वारा तथ्य रखा गया कि दो मतदाता जिनका नाम आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस0पी0 श्रीवास्तव (इपिक नं0 FPP6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं0 INB2722288) हैं। इनका नाम उ0प्र0 के साथ-साथ अन्य प्रदेश की विधान सभाओं की मतदाता सूची में भी अंकित है। श्री राहुल गांधी द्वारा यह आंकड़े दिनांक 16 मार्च 2025 को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से निकाले हुए दिखाए गये हैं। आदित्य श्रीवास्तव का नाम चार जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम मुंबई सब अर्बन की विधान सभा 158 जोगेश्वरीपूर्व की बूथ संख्या 197 के क0सं0 877, बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 के क0सं0 1265, बूथ सं0 459 के क0सं0 678 पर एवं लखनऊ की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व के बूथ संख्या 84 के क0सं0 630 पर अंकित दिखाया गया है। इसी प्रकार विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह का नाम तीन जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 के क0सं0 926 एवं बूथ सं0 321 के क0सं0 894 तथा वाराणसी की विधानसभा 390 वाराणसी कैण्ट में बूथ सं0 82 के क0सं0 516 पर अंकित दिखाया गया है। विगत दिनांक 07 अगस्त, 2025 को आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस०पी०श्रीवास्तव (इपिक नं० FPP6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं0 INB2722288) के नाम को voters.eci.gov.in पर सर्च किया गया तो पाया गया कि आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस0पी0 श्रीवास्तव (इपिक नं0 FPP6437040) का नाम बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 क0सं0 1265 में एवं श्री विशाल सिंह पुत्र श्री महीपाल सिंह (इपिक नं० INB2722288) का बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 क0सं0 926 पर ही अंकित है एवं उपरोक्त मतदाताओं का नाम उत्तर प्रदेश की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व एवं विधान सभा 390 वाराणसी कैण्ट में इनका नाम अंकित नहीं है।

इस प्रकार उत्तर प्रदेश के बारे में जो तथ्य प्रस्तुत किये गये वे सही नहीं पाये गए।

बुनकर प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। 11वें राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर विक्रम कारपेट नटवा तिराहा पर बुनकरों के सम्मान में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 100 से अधिक बुनकरों द्वारा प्रतिभा किया गया। कार्यक्रम में संयुक्त उद्योग वीरेंद्र कुमार, केनरा बैंक के मैनेजर व विक्रम कारपेट के स्वामी राकेश जैन उपस्थित रहे। संयुक्त आयुक्त उद्योग द्वारा बुनकरों की महत्ता पर प्रकाश डाला गया। और कहा कि उनके द्वारा जो सामान बनाए जाते हैं। उसी के द्वारा देश-विदेश में घर सजाए जाते हैं। यहां तक की नई संसद भवन में जो कारपेट लगा है। वह भी मिर्जापुर का ही कारपेट लगा है उनकी मेहनत के बिना इतनी सुंदर कारपेट बनना संभव नहीं है। श्री राकेश जैन द्वारा हथकरघा दिवस क्यों मनाया जाता है। मैनेजर श्री पांडे द्वारा बैंक द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया गया। संयुक्त आयुक्त उद्योग द्वारा उद्योग विभाग द्वारा चलाई जा रही ऑडियो की ट्रेनिंग योजना लोन की योजना व मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के बारे में विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर अतिथियों द्वारा बुनकरों को भी सम्मानित किया गया। काफी संख्या में बुनकर ने कार्यक्रम में भाग लिया।

जिला बदर हिस्ट्रीशीटर इनामिया अपराधी पुलिस मुठभेड़ में घायल, कब्जे से मोबाइल फोन अवैध तमंचा कारतूस बरामद

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। जिला बदर हिस्ट्रीशीटर बीस हजार के इनामिया अपराधी को पुलिस मुठभेड़ में अहरौरा पुलिस ने मार गिराया है। उसके पैर में गोली लगी है। कब्जे से 06 मोबाइल फोन, 5500/- रूपया, एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर, जिंदा व खोखा कारतूस बरामद हुआ है।

थाना अहरौरा पुलिस टीम को जरिए मुखबिर सूचना प्राप्त हुई कि जिला बदर हिस्ट्रीशीटर ₹20000 का पुरस्कार घोषित अपराधी थाना अहरौरा क्षेत्रांतर्गत वनस्थली विद्यालय के पास स्थित जंगल में छिपा है। थाना अहरौरा पुलिस टीम द्वारा जिला बदर हिस्ट्रीशीटर ₹20000 का पुरस्कार घोषित अपराधी के गिरफ्तारी के लिए दबिश दिया गया। अपराधी द्वारा गिरफ्तारी से बचने हेतु पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए जंगल की

तरफ भागा गया। पुलिस टीमों द्वारा आत्मरक्षार्थ जवाबी कार्यवाही की गयी। जिसमें जिला बदर हिस्ट्रीशीटर अपराधी के दाहिने पैर में गोली लगी है। घायल अपराधी जावेद पुत्र इस्लाम निवासी दुर्गा जी पहाड़ी नई बस्ती थाना अहरौरा जनपद मीरजापुर उम्र करीब 22 वर्ष को इलाज हेतु जिला अस्पताल भिजवाया गया । जहां उसकी स्थिति सामान्य है। अभियुक्त के कब्जे से चोरी के 06 अदद मोबाइल फोन, चोरी के 5500 रूपया, एक अदद अवैध तमंचा 315 बोर, 3 अदद खोखा कारतूस 315 बोर, एक अदद जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद हुआ है। अभियुक्त जावेद द्वारा टोल टैक्स तथा ढाबो के आसपास रात में खड़ी ट्रक के शीशे में लगी रबर को ब्लेड से काट कर शीशा को निकालकर ट्रक के केबिन में प्रवेश कर सो रहे ड्राइवर की जेब अथवा केबिन में रखे हुए मोबाइल, रुपए को चुरा लेता है। इसके गैंग में इसके अतिरिक्त पांच अन्य सदस्य हैं जिसमें से चार सदस्य की गिरफ्तारी शुक्रवार को हुई है। उनके कब्जे से भी मोबाइल फोन व रुपए बरामद हुए है। अभियुक्त द्वारा दो दर्जन से अधिक घटना करना बताया है। अभियुक्त जावेद पूर्व में लूट तथा चोरी में भी जेल जा चुका है।

छात्र छात्राओं ने एसएसपी को बांधा रक्षा सूत्र

आर्यावर्त संवाददाता

मीरजापुर। डा. सरला सर्राफ पब्लिक स्कूल मीरजापुर के अध्यापिकाओं व छात्राओं ने शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को रक्षासूत्र बांधा। रक्षाबंधन के पावन पर्व के दृष्टिगत डा. सरला सर्राफ पब्लिक स्कूल मीरजापुर में स्कूल के अध्यापिकाओं व छात्राओं द्वारा सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को रक्षासूत्र बांधा गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मीरजापुर द्वारा मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत चलाए जा रहे महिला सशक्तिकरण के विभिन्न प्रयासों के सम्बन्ध में अवगत कराया गया तथा सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। इस अवसर पर छात्राओं को रक्षाबंधन के महत्व और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते के बारे में बताया गया तथा रक्षाबंधन का त्योहार हमें भाई-बहन के प्रेम और सुरक्षा के बंधन की याद दिलाता है। मीरजापुर पुलिस हमेशा महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है तथा छात्राओं को अपने सपनों को पूरा करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

'हम जिएंगे स्वदेशी के लिए, मरेंगे देश के लिए...', सीएम योगी बोले- विदेशी को त्यागने की जरूरत

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। स्वदेशी हमारे जीवन का ध्येय बने। जीवन का मंत्र बने। हम स्वदेशी के लिए जिएंगे और देश के लिए मरेंगे। विदेशी को त्यागने की जरूरत है। राष्ट्रभक्ति की इस पराकाष्ठा के साथ जब भारत आगे बढ़ेगा तो दुनिया की कोई ताकत भारत का बाल भी बांका नहीं कर पाएगी।

यह कहना है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का। वह शुक्रवार को काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह के समापन पर काकोरी में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने बलिदानी क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि दी। साथ ही यह भी बताया कि 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा, जिससे जुड़ें। सीएम ने काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना पर आधारित एक पुस्तक का भी विमोचन किया।

सीएम ने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया

इतना ही नहीं उन्होंने बालिकाओं से राखी बंधवाई तथा उन्हें उपहार में मिठाई और चॉकलेट दी। कार्यक्रम स्थल पर पीपल का पौधा भी लगाया। इसके बाद उन्होंने म्यूजियम में सेल्फी और फोटोशूट भी कराया। मुख्यमंत्री ने शहीद सैनिकों के परिजनों को मंच पर सम्मानित कर बलिदानियों को नमन किया। इस दौरान संस्कृति विभाग की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी कराए गए। इसमें काकोरी ट्रेन एक्शन की घटना को भी पेश किया गया।

सीएम ने कहा कि 9 अगस्त, 1925 को काकोरी में जिन महान क्रांतिकारियों ने ब्रिटिश हुकूमत के खजाने पर कब्जा कर उसे आजादी की लड़ाई में लगाया था, उस देशभक्ति के परिणामस्वरूप ही 1947 में देश आजाद हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि ट्रेन एक्शन में सिर्फ 4600 लूटे गए थे, लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने उन्हें पकड़ने में 10 लाख रुपये से अधिक खर्च किए।

मलिहाबादी आम को काकोरी ब्रांड बनाएंगे

मुख्यमंत्री ने काकोरी आंदोलन से जुड़े क्रांतिकारियों और वीर सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुए कहाकि देश की सुरक्षा में लगे हर सैनिक और कर्मवीर का सम्मान करना हमारा कर्तव्य है। मलिहाबाद के आम को काकोरी ब्रांड बनाकर पूरी दुनिया में भेजा जाएगा, जो क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि और क्षेत्र के विकास का माध्यम बनेगा।

सांस्कृतिक कार्यक्रम से मोहा

संस्कृति विभाग ने काकोरी ट्रेन एक्शन के शताब्दी समारोह कार्यक्रम काकोरी के बाजनगर में शुक्रवार सुबह दस बजे आयोजन किया गया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह, महापौर सुषमा खर्कवाल उपस्थित रहीं। संगीत नाटक अकादमी के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संस्कृति विभाग की ओर से नाट्य एवं संगीत की प्रस्तुति की गई। इस अवसर पर राजकीय अभिलेखागार ने अभिलेख प्रदर्शनी भी निदेशक अमित कुमार अग्निहोत्री के संयोजन में लगाई गई।

तमंचे के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने शुक्रवार को अवैध देशी पिस्टल व जिन्दा कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

इंस्पेक्टर गोसाईगंज ब्रजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि गुरुवार की देर रात पुलिस टीम द्वारा जेल चौकी क्षेत्र में स्थित हबुआपुल पर संदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग की जा रही थी।तभी मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि एक युवक मोहारीकला रोड पर स्थित नवीन गल्ला मंडी के पास आ रहा है जिसके पास अवैध असलहा है।इसके बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो वहां खड़ा एक संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा।जिसे पुलिस टीम ने पकड़ लिया और तलाशी ली तो उसके पास से 32 बोर की देशी पिस्टल व मैगजीन में लगी एक जिन्दा कारतूस तथा उसकी पैंट की जेब से एक अन्य जिन्दा कारतूस

बरामद हुई।पुलिस द्वारा की गई पूंछतांछ में उसने अपना नाम गगन उर्फ रामदेव रावत पुत्र कल्लू निवासी ग्राम नेवलखेड़ा थाना गोसाईगंज बताया।वहीं पिस्टल के बारे में उसने बताया कि यह पिस्टल उसे जेल में बन्द उसके चचेरे भाई मुकेश रावत ने दी थी।पुलिस ने बताया कि पकड़े गए युवक के विरुद्ध मोहनलालगंज थाने में एक मुकदमा पहले से भी दर्ज है।जिसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

काकोरी कांड की शताब्दी पर कांग्रेस का देशभक्ति से ओतप्रोत जयहिंद यात्रा

लखनऊ। काकोरी कांड की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर ''क्रांति दिवस'' की पूर्व संध्या पर कांग्रेस ने हरदोई रोड स्थित काकोरी शहीद स्मारक पर भव्य जयहिंद यात्रा निकाली। इस कार्यक्रम में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय मुख्य अतिथि थे, जबकि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अध्यक्षता की। हजारों कांग्रेसजनों ने देशभक्ति के नारे लगाते हुए अमर क्रांतिकारियों—चन्द्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्लाह, रोशन सिंह और राजेन्द्र लाहिड़ी—की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर अविनाश पाण्डेय ने कहा कि देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले शहीदों का योगदान सदैव इतिहास में अमर रहेगा। उन्होंने पूरे अगस्त माह को क्रांति का महीना बताते हुए कहा कि इसी महीने में 1942 का भारत छोड़ो आंदोलन पूरे देश में गूंज उठा था।

निर्वाचन आयोग राहुल गांधी के आरोपों की सीधी जवाबदेही ले : प्रमोद तिवारी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा चुनाव में धांधली को लेकर लगाए गए पांच सूत्रीय आरोपों पर निर्वाचन आयोग को सीधे जवाबदेह होना चाहिए। उन्होंने बताया कि सोमवार को विपक्षी गठबंधन नई दिल्ली में निर्वाचन आयोग से संयुक्त मुलाकात कर इस मुद्दे पर सार्वजनिक जवाबदेही की मांग करेगा।तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी ने निर्वाचन आयोग के दस्तावेजों के आधार पर वोट चोरी के आरोप लगाए हैं और अब आयोग को सबूत सौंप दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव बाद वोट प्रतिशत बढ़ा, मतदाता सूची से योग्य मतदाताओं के नाम हटाए गए और अयोग्य मतदाताओं के नाम जोड़े गए। उनके अनुसार, इन मुद्दों पर आयोग को भाजपा के दबाव से मुक्त होकर जवाब देना चाहिए।ईडी को लेकर तिवारी ने सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी को भी गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक अपराधों की वसूली का अनुपात दस प्रतिशत से भी कम होना ईडी को कटघरे में खड़ा करता है। आरोप लगाया कि ईडी अब भाजपा की 'स्वयंसेवी संस्था' की तरह काम कर रही है और इसका

राजनीतिक दुरुपयोग लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। तिवारी ने मांग की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इस एजेंसी की पारदर्शिता की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।विदेश नीति पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका ने प्रधानमंत्री के 'उतावलेपन' का फायदा उठाकर भारत पर टैरिफ का बोझ डाल दिया, जबकि चीन ने सीमा और गलवान घाटी के मामले में केवल धोखा दिया है। उनका कहना था कि गुटनिरपेक्ष आंदोलन की भूमिका कमजोर हुई है और ऑपरेशन सिंदूर के समय एक भी देश ने भारत का खुलकर समर्थन नहीं किया, जो विदेश नीति की अप्रभाविता को दर्शाता है।

रक्षा बंधन पर 51 बहनों ने गोपाल राय को बांधी राखी, नारी सुरक्षा और धर्म रक्षा का लिया संकल्प

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। रक्षा बंधन के पावन अवसर पर विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय को देशभर से आई 51 हिंदू बहनों ने राखी बांधकर सम्मानित किया। यह आयोजन केवल धार्मिक परंपरा का निर्वाह नहीं था, बल्कि नारी सुरक्षा, धर्म रक्षण और सांस्कृतिक चेतना के प्रति उनके संघर्ष और योगदान के प्रति सामूहिक कृतज्ञता का प्रतीक बन गया। बहनों ने इसे एक संकल्प के रूप में देखा — उन हाथों की रक्षा का, जिन्होंने नारी सम्मान की पुनर्स्थापना के लिए लगातार संघर्ष किया है। भावनाओं से भरे इस क्षण ने न केवल आपसी विश्वास को मजबूत किया, बल्कि गोपाल राय के प्रति लोगों के बढ़ते सम्मान को भी उजागर किया।इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने गोपाल राय के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उनका प्रभाव अब अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल चुका है। उन्होंने लव जिहाद से पीड़ित सैकड़ों हिंदू बहनों की घर वापसी करवाई और उन्हें सम्मानपूर्ण जीवन जीने का अवसर दिया। छांगुर जैसे जिहादी तत्वों के चंगुल से अनेक हिंदू परिवारों को मुक्त कराकर भयमुक्त जीवन की ओर अग्रसर किया। देशद्रोही छांगुर को जेल की सलाखों तक पहुंचाने में उनकी निर्णायक भूमिका रही, और धमकियों के बावजूद वे बिना डरे सनातन धर्म की रक्षा में डटे रहे।गोपाल राय ने 'सनातन हेल्पलाइन सेवा' की शुरुआत कर संकट में फंसे सनातनियों को तत्काल सहायता उपलब्ध करवाई। धर्मांतरण के विरुद्ध खुला मोर्चा खोलते हुए उन्होंने हजारों लोगों को पुनः सनातन धर्म की ओर लौटाया। युवाओं को संगठित कर उनमें अपने धर्म, संस्कृति और अस्तित्व के प्रति चेतना जगाई। लखनऊ से मुर्शिदाबाद तक निकाली गई 'सनातन आक्रोश यात्रा' के माध्यम से उन्होंने यह संदेश दिया कि अन्याय के विरुद्ध अब हर सनातनी एकजुट होकर खड़ा होगा।

सर्विलांस सेल ने बरामद किए 86 खोए मोबाइल, धारकों को लौटाई खुशी

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के दक्षिणी जोन की सर्विलांस सेल टीम ने खोए हुए मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए चलाए जा रहे अभियान में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी के नेतृत्व में टीम ने लखनऊ, रायबरेली, सीतापुर, हरदोई, बाराबंकी, उन्नाव सहित पश्चिम बंगाल, बिहार और दिल्ली जैसे राज्यों से कुल 86 मोबाइल फोन बरामद किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 16 लाख रुपये है।यह कार्रवाई विभिन्न थाना क्षेत्रों में मोबाइल गुमशुदगी के मामलों में प्राप्त प्रार्थना पत्रों के आधार पर की गई। सर्विलांस सेल ने लोकेशन ट्रेस कर मोबाइल फोन बरामद किए और आज उन्हें उनके वास्तविक धारकों को वापस सौंपा। अपने फोन वापस पाकर लोगों ने लखनऊ पुलिस के प्रयासों की सराहना की और धन्यवाद व्यक्त किया। पुलिस का कहना है कि खोए हुए मोबाइल की बरामदगी के लिए अभियान आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।बरामदगी में योगदान देने वाली टीम सर्विलांस सेल, जोन दक्षिणी, लखनऊ की रही।

• संक्षेप •

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने रक्षाबंधन पर दी शुभकामनाएं, नारी सम्मान और एकता का लिया संकल्प

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता सदन, केशव प्रसाद मौर्य ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर देश और प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि भाई-बहन के असीम प्रेम, अटूट विश्वास और समर्पण का प्रतीक यह पर्व सभी के जीवन में प्रेम, सद्भाव, समृद्धि और सौहार्द बढ़ाए।अपने संदेश में श्री मौर्य ने रक्षाबंधन को भारतीय संस्कृति की अद्भुत परंपरा का उत्सव बताया, जो स्नेह, विश्वास और सुरक्षा के अटूट बंधन को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह पर्व न केवल भाई-बहन के रिश्ते की गरिमा को बढ़ाता है, बल्कि परिवार और समाज में आपसी स्नेह व सम्मान को भी सुदृढ़ करता है।उन्होंने सभी से आह्वान किया कि इस अवसर पर नारी सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लें। साथ ही समाज में समरसता, एकता और भाईचारे को मजबूत करते हुए देश को समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने के लक्ष्य को दोहराने की प्रेरणा दी।

अखिलेश यादव ने यूपी में बाढ़ की भयावह स्थिति पर सरकार को घेरा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में बाढ़ से उत्पन्न गंभीर हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि 22 जिलों में हालात बेहद खराब हैं। गंगा, यमुना, राप्ती, सरयू और घाघरा नदियों के उफान से हजारों गांव और शहर जलमग्न हो गए हैं। बाढ़ की चपेट में आने से कई लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि मुख्य मार्गों से कटे इलाकों में लोग खाने-पीने, दवा और इलाज के संकट से जूझ रहे हैं। पशुओं के चारे की भी भारी कमी है।अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि सरकार की ओर से कोई ठोस प्रबंधन दिखाई नहीं दे रहा। उरई में सड़कों पर पानी भरा हुआ है, दूध तक मिलना मुश्किल हो गया है और कई घरों में पहली मंजिल तक पानी घुस आया है, जिससे सैकड़ों लोग बेघर हो गए हैं। प्रयागराज में 80 हजार प्रतियोगी छात्र अपने कमरे छोड़ने पर मजबूर हो गए हैं, 400 से अधिक पुस्तकालय बंद हैं और शहर के 60 मोहल्लों व जिले के 90 गांवों में बाढ़ का पानी घरों में घुस गया है।पूर्व मुख्यमंत्री ने राजधानी लखनऊ में भी भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त होने, फसलों को नुकसान पहुंचने और जर्जर मकानों के गिरने से लोगों के घायल होने की घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि बिजली गुल रहने, ट्रांसफार्मरों के फुंकने और करंट लगने से मौतों की घटनाओं ने स्थिति को और भयावह बना दिया है।उन्होंने सड़कों की बदहाली को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जगह-जगह गड्ढों से वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो रहे हैं और भीषण जाम लग रहा है। एयरपोर्ट से बनी सड़क सबसे ज्यादा खराब हालत में है, जबकि सरकार पहले ही गड्ढा-मुक्त अभियान के नाम पर बड़ी धनराशि खर्च करने का दावा कर चुकी है।अखिलेश यादव ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं है, जबकि लोगों को तुरंत राहत, भोजन, पानी और दवा की आवश्यकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार आंतरिक खींचतान में उलझी है और मुख्यमंत्री केवल दौरे करने में व्यस्त हैं। उन्होंने दावा किया कि जनता 2027 के चुनाव में इस बेरुखी का करारा जवाब देगी।

लखनऊ में चैन स्नेचिंग की कोशिश करने वाला आरोपी गिरफ्तार, बाइक बरामद

लखनऊ। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र में करीब एक माह पहले हुई चैन स्नेचिंग की कोशिश के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त अपाची मोटरसाइकिल (UP71AY6918) भी बरामद की है, जबकि दो अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।मामला 4 जुलाई 2025 का है, जब हरिहरपुर निवासी शैलेंद्र सिंह ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी मां रेनू सिंह के गले से बाइक सवार बदमाशों ने चैन छीनने का प्रयास किया। बचाव के दौरान उनके साथ चल रही अनुपमा देवी के हाथ मारने से चैन टूटकर गिर गई और आरोपी फरार हो गए। पुलिस जांच के दौरान 8 अगस्त को मुखबिर की सूचना पर मेदांता अंडरपास के पास से एक संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान सूर्यभान सिंह उर्फ प्रिंसू सिंह (25), निवासी फतेहपुर, के रूप में हुई। उसने अपने दो साथियों—अभिषेक उर्फ गोलू शुक्ला और शिवमोहन उर्फ छोटू—के साथ वारदात को अंजाम देने की बात कबूल की।सूर्यभान ने बताया कि घटना वाले दिन तीनों ट्राइडेंट लॉन के पास घूम रहे थे और सोने की चैन पहने महिला को देखकर उसे छीनने की कोशिश की, लेकिन शोर मचने पर चैन टूटकर गिर गई और वे भाग निकले। पुलिस ने सूर्यभान को धारा 304(2)/62 बीएनएस के तहत गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। बाकी दोनों फरार आरोपियों की तलाश जारी है।

प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रक्षाबंधन पर्व पर बहनों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने रक्षाबंधन के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और उनके स्वस्थ एवं सुखी जीवन की कामना की है।रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर जारी संदेश में मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी का अत्यंत पूजनीय स्थान है और वह शक्ति का प्रतीक है। इस पर्व पर बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बांधकर सम्मान, सुरक्षा और स्नेह व्यक्त करती हैं। यह पर्व न केवल भाई-बहन के प्रेम का उत्सव है, बल्कि नारी सम्मान एवं सशक्तिकरण का भी प्रतीक है।उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार बहनों और बेटियों की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्यरत है। इस वर्ष रक्षाबंधन के अवसर पर माताओं और बहनों को निःशुल्क सरकारी बस यात्रा सुविधा प्रदान की गई है, जो मुख्यमंत्री के नारी शक्ति के प्रति आदर और संवेदनशीलता का परिचायक है।जयवीर सिंह ने कहा कि हमें इस शुभ अवसर पर नारी को शक्ति स्वरूपा मानते हुए उनका सम्मान और अभिनंदन करना चाहिए।

नाबालिग छात्रा से छेड़छाड़ के आरोप में शिक्षक गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में 13 वर्षीय छात्रा से छेड़छाड़ करने और धमकी देने के आरोप में एक शिक्षक को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस के अनुसार, 7 अगस्त 2025 को पीड़िता के परिजनों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी नाबालिग पुत्री के साथ उसके शिक्षक मोहित कुमार मिश्रा गलत नीयत से शारीरिक छेड़छाड़ करते हैं और विरोध करने पर धमकी देते हैं। मामला दर्ज होने के बाद थाना ठाकुरगंज में मुकदमा संख्या 458/2025, धारा 75(2)/351(2) बीएनएस तथा पॉक्सो एक्ट की धाराओं 9(एफ)/10 के तहत एफआईआर पंजीकृत की गई।गिरफ्तारी के लिए गठित पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 8 अगस्त को वरदानी मंदिर इलाके से आरोपी मोहित कुमार मिश्रा (पुत्र

हरिकेश, निवासी तरौंजा, थाना शिवगढ़, जनपद रायबरेली, उम्र लगभग 28 वर्ष) को दबोच लिया।पुलिस ने आरोपी को आवश्यक कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद न्यायालय में पेश किया। गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक रवीन्द्र कुमार, उपनिरीक्षक अमर सिंह और हेड कांस्टेबल अरुण कुमार मिश्रा शामिल रहे।

राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा जिलों को लक्ष्य का आवंटन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने हर घर तिरंगा कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए ग्राम्य विकास विभाग के संबंधित अधिकारियों को व्यापक दिशा-निर्देश दिए हैं। उन्होंने राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को झंडों के निर्माण के लिए आवंटित लक्ष्यों को युद्धस्तर पर पूरा करने के निर्देश दिये हैं।श्री मौर्य ने कहा कि 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत 2022 में शुरू किया गया हर घर तिरंगा अभियान नागरिकों को अपने घरों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने और तिरंगे के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह अभियान राष्ट्रीय अस्मिता, देशभक्ति एवं गौरव का जन-भागीदारी आंदोलन बन चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में 2 करोड़ झंडों का निर्माण राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। पिछले वर्ष 1.88 करोड़ से अधिक झंडों का उत्पादन सफलतापूर्वक किया गया था।

श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को बांधी राखी, लिया सुरक्षा और समृद्धि का आशीर्वाद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। रक्षाबंधन की पूर्व संध्या पर श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में महिलाओं ने महादेव को राखी बांधकर अपनी रक्षा का आशिर्वाद लिया। शुक्रवार को चौक कोतवाली स्थिति कोतवालेश्वर महादेव मंदिर में रक्षा बंधन की पूर्व संध्या पर महादेव को महिलाओं ने राखी बांधी। यह कार्यक्रम श्री कोतवालेश्वर महादेव मंदिर के महंत विशाल गौड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। महंत विशाल गौड ने बताया कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के बीच कर्तव्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। भगवान ही सबके माता पिता, भाई, मित्र और पीड़ा हरने वाले होते हैं। इस वर्ष से यहां मंदिर में महादेव को राखी बांधकर रक्षा का आशिर्वाद लेने की नयी परंपरा शुरु की गयी है। उन्होने बताया कथाओ के अनुसार देवों और दानवों के बीच युद्ध के दौरान इंद्राणी ने देवराज इंद्र की कलाई पर रक्षा सूत्र

बांधा था, जिससे देवताओं की विजय हुई थी। भगवान विष्णु ने राजा बलि को वरदान दिया था कि वे पाताल लोक में रहेंगे। देवी लक्ष्मी जो भगवान विष्णु के साथ नहीं रहना चाहती थीं, ने राजा बलि को राखी बांधकर उनसे अपने पति को वापस भेजने का अनुरोध किया। राजा बलि ने प्रसन्न होकर भगवान विष्णु को देवी लक्ष्मी के साथ जाने की अनुमति दी। महंत विशाल गौड़ ने बताया यह पर्व परिवार के सदस्यों के बीच प्रेम और स्नेह को मजबूत करता है। सभी को इसे श्रद्घा से मनाना चाहिए। महादेव ही अपने भक्तों की हम परेशानी में मदद करते हैं इसलिए महिलाओं ने उनको राखी बांधकर अपनी सुख समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद दिया है।

भारत के खिलाफ ट्रंप का टैरिफ वॉर- बातचीत से पहले दबाव बनाने की कोशिश या बड़ी लड़ाई का संकेत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी धमकी के मुताबिक, भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया है। इस नए ऐलान के बाद भारत पर अब कुल मिलाकर अमेरिका ने 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के जिद का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उन्होंने दुनिया पर सबसे ज्यादा टैरिफ भारत पर थोप दिया है। ट्रंप के ऐलान के बाद दुनिया के दो देशों- भारत और ब्राजील पर सबसे ज्यादा टैरिफ (50 प्रतिशत) लग गया है। ट्रंप का यह फैसला अपने आप में कितना अजीब है कि रूस से सबसे ज्यादा तेल खरीदने वाले देश चीन पर उसने सिर्फ 30 प्रतिशत का ही टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50 प्रतिशत थोप दिया है।

ऐसे में अब सवाल यह उठ रहा है कि डोनाल्ड ट्रंप के इस जिद भरे फैसले को कैसे देखा जाए क्योंकि अमेरिका इस बात को बखूबी समझता है कि भारत की कोई भी सरकार अमेरिका के दबाव में रूस के साथ अपने कारोबारी रिश्ते को खत्म नहीं कर सकती है। भारत रूस से तेल भी खरीदता रहेगा और व्यापारिक संबंध भी रखेगा। ऐसे में कई जानकारों का यह भी मानना है कि ट्रंप का यह फैसला बातचीत से पहले भारत पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा है। याद दिला दें कि, भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते और टैरिफ को लेकर बातचीत लगातार जारी है और छठे दौर की बातचीत के लिए अमेरिकी अधिकारियों का एक दल 25 अगस्त को भारत के दौरे पर आने वाला है।

अमेरिकी राष्ट्रपति के ऐलान के बाद, भारत ने बुधवार को ही इसका जवाब भी दे दिया था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को ही अमेरिका के फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए बयान जारी कर कहा कि, 'हाल के दिनों में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने रूस से भारत के तेल आयात को निशाना बनाया है। हमने इन मुद्दों पर अपनी स्थिति पहले ही स्पष्ट कर दी है, जिसमें यह तथ्य भी शामिल है कि हमारे आयात बाज़ार के कारकों पर आधारित हैं और भारत के 1.4 अरब लोगों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के समग्र उद्देश्य से किए जाते हैं। इसलिए, यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि अमेरिका ने भारत पर उन कार्यों के लिए अतिरिक्त शुल्क लगाने का विकल्प चुना है जो कई अन्य देश भी अपने राष्ट्रीय हित में कर रहे हैं।' भारत ने अपने बयान में अमेरीकी फैसले की कड़ी आलोचना करते हुए आगे स्पष्ट तौर पर कहा, 'हम दोहराते हैं कि ये कार्य अनुचित और अविवेकपूर्ण हैं। भारत अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगा।'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को स्वयं मोर्चा संभालते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त संदेश देने का भी प्रयास किया।आईसीएआर पूसा में आयोजित एमएस स्वामीनाथन शताब्दी अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करने के बाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, 'हमारे लिए अपने किसानों का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है। भारत अपने किसानों, पशुपालकों और मछुआरे भाई-बहनों के हितों के साथ कभी भी समझौता नहीं करेगा। मैं जानता हूं कि व्यक्तिगत रूप से मुझे बहुत बड़ी कीमत चुकानी पड़ेगी। लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। मेरे देश के मछुआरों के लिए, मेरे देश के पशु पालकों के लिए आज भारत तैयार है।'

इन तमाम बयानों से यह साफ-साफ नजर आ रहा है कि टैरिफ की यह लड़ाई लंबी खिंचने वाली है। ऐसे में समय की यह मांग कि है भारत अपने राष्ट्रीय हितों की सुरक्षा करने के साथ-साथ अमेरिका को एक बड़ा झटका भी देने की तरफ बढ़े और यह वैश्विक स्तर पर सामूहिक प्रयासों से ही संभव हो सकता है। ब्राजील के राष्ट्रपति लूला दा सिल्वा ने पहले ही डोनाल्ड ट्रंप को बड़ा झटका देते हुए यह कह दिया है कि, वह टैरिफ पर बात करने के लिए ट्रंप को कॉल नहीं करेंगे। इसकी बजाय वह भारतीय पीएम नरेंद्र मोदी, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग जैसे नेताओं के साथ बातचीत करना चाहेंगे। भारत को भी इसी तरह का सख्त स्टैंड लेते हुए बातचीत करने के लिए 25 अगस्त को आ रहे अमेरिकी अधिकारियों का दौरा रद्द कर देना चाहिए। इसी महीने के अंत में जापान और चीन की यात्रा पर जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चीन, रूस, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका और जापान के साथ मिलकर डोनाल्ड ट्रंप को सबक सिखाने की रणनीति बनाने पर काम करना चाहिए। लेकिन ऐसा करते समय, चीनी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट तौर पर बता भी देना चाहिए कि ऐसे मौके का फायदा उठाकर अगर चीन की सेना ने भारत-चीन सीमा पर कोई नापाक हरकत की तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

आखिरकार दगाबाज चीन पर भरोसा करके फिर चोट खाने के रिस्क क्यों उठा रहे हैं भारत के प्रधानमंत्री

मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है।

कमलेश पांडे

जब भी हमारे देश का कोई प्रधानमंत्री चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश जैसे शत्रु देशों से वैश्विक कूटनीति के नाम पर प्रेम और भरोसे के पींगे बढ़ाना चाहता है, या फिर नेपाल, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार या तिब्बतियों पर भारतीयों की गाढ़ी कमाई लुटाता है तो मेरे मन में एक ही सवाल पैदा होता है कि हमारे इन नेताओं को इतिहास का ज्ञान नहीं है, या फिर भौगोलिक सच्चाई से ये नादान हैं। क्या इन्हें उन वीर जवानों और साम्प्रदायिक दंगा, आतंकवाद, नक्सलवाद, संगठित अपराध की भेंट चढ़े आमलोगों व सुरक्षा कर्मियों के चेहरे याद नहीं आते, उनकी विधवाओं और बच्चों, वृद्ध माता पिता आदि की याद नहीं आती, जिनकी असमय मौत का एकमात्र कारण चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश या इनका रिंग मास्टर अमेरिका की विध्वंसक नीतियां रही हैं।

मसलन, यहां पर सवाल भूमि के किसी कब्जाए हुए टुकड़े या सांप्रदायिक मिजाज पर वर्चस्व की मानसिकता का नहीं है, बल्कि उन दुर्भाग्यपूर्ण राजनीतिक-प्रशासनिक फैसलों से जुड़ा हुआ है जिसकी कीमत हमारे वीर जवानों और आम आदमियों को चुकानी पड़ती है। जैसा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी ने कहा था कि हम इतिहास बदल सकते हैं, लेकिन भूगोल नहीं, के बारे में सिर्फ इतनी सी दलील देना चाहूंगा कि आप इतिहास और भूगोल को यथावत रहने दीजिए, बस अपने राजनीति विज्ञान के विषय वस्तु बदल दीजिए। आपको पता होना चाहिए कि राजनीति विज्ञान परिवर्तन शील होता है, इसलिए इसे हमारे वीर जवानों और आम आदमियों के अनुकूल बना दीजिए। आपको भी इस बात का आभास होगा कि हमारे दलित-पिछड़े लोग इन सूक्ष्म प्रशासनिक बारीकियों को नहीं समझ पाते हैं, इसलिए इस अहम बदलाव के लिए किसी जनादेश का इंतजार मत कीजिए, बल्कि अपनी अंतरआत्मा से फैसले लीजिए। यह बात मैं इसलिए उठा रहा हूँ कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए इस महीने के आखिर में चीन जा सकते हैं। यह सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के उत्तरी शहर तियानजिन में होना है।

सवाल है कि ऐसा अप्रत्याशित कदम वह तब उठा रहे हैं, जब अमेरिका-चीन प्रेरित हिन्दू विरोधी पाकिस्तानी आतंकवादी पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर से मिले जख्मों को ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जबकि साल 2020 में पूर्वी लद्दाख की गलवान घाटी में भारत और चीन के सैनिकों के बीच झड़प के बाद यह मोदी की पहली चीन यात्रा होगी। वह इससे पहले 2018 में चीन गए थे।

सीधा सवाल है कि जब प्रधानमंत्री मोदी गलवान सैन्य झड़प से इतने व्यथित थे कि लगातार पांच सालों तक चीन नहीं गए तो अब फिर पहलगाम कांड के तुरंत बाद ऐसा क्यों कर रहे हैं? क्या आपकी अंतरात्मा अब मर चुकी है या फिर अप्रत्याशित अमेरिकी धोखे मिलने के बाद अगले चीनी धोखे खाने की बुनियाद रखने को लालायित मालूम पड़ते हैं! क्या आपको नहीं पता कि जवाहरलाल नेहरू और नरेंद्र मोदी की सद्भावना को मुंह को मुंह चिढ़ाने वाला चीन कभी भी भारत का सगा नहीं हो सकता।

सुलगता सवाल है कि वर्ष1962 से साल 2020 तक जब चीन की फितरत नहीं बदली तो आगे फिर किस नीतिगत करिश्मे की उम्मीद आपको है। क्या वह डोकलाम झड़प विस्मृत कर चुके हैं? क्या वह तवांग दंश भूल चुके हैं? क्या बोमडिला उन्हें याद नहीं? क्या आपकी इस यात्रा से लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक की उसकी क्षुद्र मानसिकता बदल जाएगी? क्या भारत को उसके ही पड़ोसियों द्वारा घेरने की उसकी फ़ितरत बदल जाएगी?

यहां पर मैं यह समझ सकता हूँ कि हमारे कतिपय असरदार पर गद्दार नेताओं-अधिकारियों-उद्योगपतियों की तिकड़ी ने क्षणिक लाभवश अदूरदर्शिता दिखाते हुए अमेरिकी दबाव में भारतीय अर्थव्यवस्था को चीनी अर्थव्यवस्था पर निर्भर बना दिया। लेकिन इसी दिक्कत को दूर करने के लिये ही तो यूपीए के प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को 10 वर्षों के बाद सत्ता से बाहर करते हुए एनडीए के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को केंद्रीय सत्ता सौंपी गई। आप पिछले 11 वर्षों से सत्ता में हैं, लेकिन यह समझने में असमर्थ प्रतीत हो रहे हैं कि रूसी दबाव में चीनी मित्रता का प्रयास अपने ही पैर में कुल्हाड़ी मारने जैसा मूर्खता भरा कदम साबित होगा। यह जान लीजिए कि इतिहास खुद को दोहराता है और आप इससे बच नहीं सकते।

मेरी स्पष्ट राय है कि अमेरिका से तल्खी के बीच चीन-ईरान से बढ़ रही नज़दीकी कदापि भारत के पक्ष में नहीं होगी। खबर है कि पीएम नरेन्द्र मोदी एससीओ लीडर्स समिट में चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात कर सकते हैं। वहीं इस दौरान वो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी द्विपक्षीय मुलाकात कर सकते है। वहीं, चीन यात्रा से एक दिन पहले पीएम का जापान जाने का भी कार्यक्रम है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इन दोनों ही यात्राओं को लेकर फिलहाल कोई औपचारिक बयान नहीं दिया है। लेकिन बीते कुछ वक्त से भारत और चीन के संबंध सामान्य होने की दिशा में है।

बीते महीने विदेश मंत्री एस जयशंकर चीन की यात्रा पर थे। उन्होंने राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ मुलाकात में इस बात का जिक्र किया था कि किस तरह से पीएम मोदी और चिनफिंग के निर्देशन से द्विपक्षीय संबंधों को सकारात्मक दिशा मिली है। उसी चीन यात्रा के लिए ग्राउंड वर्क तैयार रहा करने के लिहाज से अहम थी। इससे पहले जून महीने में ही राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और रक्षा मंत्री राजनाथ भी चीन का दौरा किया था।

सवाल है कि इतने तल्खी भरे रिश्ते के बावजूद भी दोनों देश कैसे करीब आए तो जवाब होगा कि पिछले वर्ष रूस में मोदी-जिनपिंग की हुई मुलाकात के बाद द्विपक्षीय रिश्तों की बर्फ़ ही नहीं पिघली, बल्कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर जैसा तात्कालिक जख्म भी मिला, जिससे अमेरिका-चीन दोनों बेनकाब हुए। इससे पहले बंगलादेश से भारत समर्थक शेख हसीना की सरकार का तख्ता पलट किया गया। भारत ने यहां भी आत्मघाती चुप्पी साधी, जिससे अमेरिका-चीन के हौसले बढ़े।

यह ठीक है कि गत 23 जुलाई को पांच साल के अंतराल के बाद भारत ने चीन के लिए टूरिस्ट वीजा की बहाली की। वहीं, इस साल की शुरुआत में कैलाश मानसरोवर पर सहमति बनने के बाद 26 अप्रैल को इसके शेड्यूल की घोषणा हुई। वहीं, अब सीधी फ्लाइट्स की बहाली को लेकर भी सकारात्मक चर्चा चल रही है।

इन परिस्थितियों में हमारी स्पष्ट सोच है कि अमेरिका, रूस, चीन को बातचीत के टेबल पर स्पष्ट कर दिया जाए कि आसेतु हिमालय के भारत के पड़ोसी देशों, अरब देशों, आशियान देशों में कोई भी भारत विरोधी कदम बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, क्योंकि भारत गुटनिरपेक्ष देश ही नहीं बल्कि ग्लोबल साउथ का अगुवा राष्ट्र भी है। यदि चीन सहमत हैं तो प्रेम के पींगे बढ़ाइए, अन्यथा फुलस्टॉप लगा दीजिए। ऐसा करना ही हमारे लिए आर्थिक और सैन्य दृष्टि से श्रेयस्कर होगा। इससे भारत-चीन की ब्रेक के बाद होने वाली लड़ाई भी थम जाएगी।

अजब-गजब

'आपको बड़ा होकर क्या बनना है?' बुजुर्गों से पूछा गया ये सवाल, जवाब ने कर दी सिट्टी पिट्टी गुम!

बहुत से सवाल ऐसे होते हैं जो हर किसी के लिए नहीं होते हैं। वहीं कई सवाल ऐसे भी होते हैं कि हर कहीं पर नहीं पूछे जा सकते ये सच है कि सवाल अपने आप में बेवकूफाना नहीं होते हैं, बल्कि उनके पूछने का तरीका और वक्त या जगह उन्हें ऐसा बना सकता है पर कुछ सवाल अगर उन लोगों से पूछा जाए जो उनके लिए ही ना हो तो वे कैसे रिएक्ट करेंगे इस पर मजेदार हालात बन सकते हैं। एक वायरल वीडियो में एक शख्स ने ऐसा ही किया जब उसने चंद बुजुर्गों पूछ डाला, "आपको बड़ा होकर क्या बनना है।" इस पर कुछ लोगों ने हैरान करने वाले जवाब दिए।

पर वायरल वीडियो बनाने की उम्मीद में एक शख्स ने दो बुजुर्गों से यही सवाल किया। वीडियो में एक बुजुर्ग ने जवाब में सबसे पहले पूछा, "और बड़ा होकर? आगे?" फिर उन्होंने जवाब दिया, "अभी ऊपर जाने का है!" दूसरा बुजुर्ग यह सवाल सुन कर ही हैरान रह गया, "उन्होंने कहा अभी क्या हमारा एज है, अभी क्या बड़ा होंगे?" यहां पर सवाल पूछने वाले ने उन्हें समझाया, "एक होता है ना बड़ा होकर इंजीनियर बनना है, मुझे ये बनना है... "

इस पर बुजुर्ग ने कहा, "इतना पढ़े लिखे नहीं है हम।।" "कुछ भी नहीं सोचा है अभी?" जब बुजुर्ग ने कहा, "नहीं", तो शख्स ने पूछा, "तो कब सोचोगे।" यहां बुजुर्ग ने हंसते हुए जवाब दिया, "अभी क्या हमारी उम्र रह गई है।" यह कहने के बाद बुजुर्ग भी हंसने लगा।

बड़े हो कर क्या बनना है? यह सवाल अक्सर बच्चों से पूछा जाता है। अगर आप किसी युवा या अधेड़ उम्र के शख्स से भी यह पूछेंगे तो उसे लगे कि मज़ाक किया जाता है। पर अगर आप यही सवाल किसी बजुर्ग से पूछेंगे तो शायद उसे बुरा ही लगे। इस सवाल का बुजुर्ग शायद कैसा जवाब देंगे, इसका भी आसानी से ही अंदाजा लगाया जा सकता है।

लेकिन यह सवाल यह भी इशारा करता है कि जब आप यह सोचना बंद कर देते हैं कि आप बड़े होकर क्या बनेंगे, आपके बुजुर्ग होने की शुरुआत होने लगती है। यह सवाल यह जानने की कोशिश करता दिखता है कि क्या आप अब भी सपने देखते हैं? और वह जज़्बा आपक युवा बनाए रखता है और बुजुर्ग होने से रोकता है।

वीडियो को इंस्टाग्राम पर 55 लाख से ज्यादा व्यूज़ मिल चुके हैं। इसे @hny_soni ने शेयर किया है। लोगों ने हंसी की इमोजीस के लिए इस वीडियो पर रिएक्शन दिए हैं। एक यूज़र ने कमेंट में लिखा, " बुजुर्गों में बहुत ही शानदार सेंस ऑफ ह्यूमर होता है...।" दूसरे यूज़र ने लिखा, "पहले वाला बुजुर्ग मैं हूं जो 30 की उम्र में ही ऐसा सोचने लगा है।"

ब्लॉग

संसद संवाद की बजाय संघर्ष का अखाड़ा कब तक?

ललित गर्ग

बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर संसद में गतिरोध जारी है, जिससे कामकाज बाधित हो रहा है। आज संसद का दृश्य सार्थक संवाद की बजाय किसी अखाड़े से कम नहीं लगता। बहस के स्थान पर बैनर, तख्तियां और नारों की गूंज सुनाई देती है। संसद जहां नीति निर्माण होना चाहिए, वहां प्रतिदिन कार्यवाही स्थगित हो रही है। यह विडंबना है कि जनप्रतिनिधि जिन मुद्दों को लेकर चुने जाते हैं, उन्हीं मुद्दों पर चर्चा की बजाय वे मेजें थपथपाने, वेल में उतरने और माइक बंद कराने में लगे हैं। संसद का हंगामा केवल दृश्य नहीं, एक राजनीतिक पतन की ओर संकेत करता है। जब एक ओर सरकार संवाद से बच रही है और दूसरी ओर विपक्ष केवल दिखावटी विरोध में लिप्त हंगामें बरपा रहा है, इन त्रासद एवं विडम्बनापूर्ण स्थितियों में देश की जनता के मुद्दे पीछे छूट रहे हैं। विपक्ष और सत्ता के बीच जारी इस टकराव में बहस के बजाय बहिष्कार और गतिरोध हावी हो चुका है। मानसून सत्र की शुरुआत उम्मीदों से भरी थी, नए विधेयकों, जनहित की बहसों और लोकतांत्रिक विमर्शों की। लेकिन यह सत्र भी पुराने ढर्रे पर चल पड़ा, विरोध, स्थगन, नारेबाजी और हंगामे की भेंट चढ़ता लोकतंत्र।

विपक्ष बिहार में चल रहे वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा चाहता है। इसमें ईवीएम की पारदर्शिता, मतदाता सूची में गड़बड़ी और चुनाव आयोग की निष्पक्षता जैसे गंभीर मुद्दे शामिल हैं। इसके साथ ही मणिपुर की स्थिति, बेरोजगारी, महंगाई, पेगासस जासूसी, किसानों की समस्याएं और हाल ही में आई बाढ़ एवं आपदा राहत जैसे मुद्दे भी विपक्ष के एजेंडे में हैं। लेकिन विपक्ष इन और ऐसे जरूरी मुद्दों पर चर्चा का माहौल बनाने की बजाय सरकार को घेरने की मानसिकता से ग्रस्त है। संसद की प्रासंगिकता तभी है जब उसमें देश की सच्चाइयों की प्रतिध्वनि हो और विपक्ष इसमें सकारात्मक भूमिका निभाये। गतिरोध के कारण दर्जनों विधेयक लंबित हैं, डेटा प्रोटेक्शन बिल, महिला आरक्षण बिल, वन नेशन वन इलेक्शन पर चर्चा, कृषि कानूनों में संशोधन, आदि। ये सब विधेयक केवल कानून नहीं हैं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के जीवन से जुड़े ज्वलंत प्रश्न हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश, विपक्ष सार्थक बहस से भाग रहा है या बहस में अड़ंगा डाल रहा है। सत्ता पक्ष भी कोई बीच का रास्ता निकालता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। दोनों की यह रस्साकशी देश के लोकतांत्रिक स्वास्थ्य को कमजोर कर रही है। कोई भी पक्ष झुकने को तैयार नहीं दिख रहा। लेकिन, इसका असर संसद के कामकाज पर पड़ रहा है। दोनों सदनों का कीमती वक्त हंगामे में जाया हो रहा है और यह कोई पहली बार नहीं हो रहा है। पिछले वर्षों में इस तरह की गतिविधियां आम हो गई हैं।

इसे भी पढ़ें: सेना के खिलाफ बयानबाजी के लिए सुप्रीम कोर्ट से मिली फटकार राहुल गांधी के लिए चिंतन का अवसर है

विपक्ष चाहता है कि सरकार एसआईआर पर चर्चा कराए। लेकिन, सरकार नियमों का हवाला देकर कह रही है कि चुनाव आयोग स्वायत्त संस्था है और मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, इसलिए चर्चा नहीं हो सकती। जवाब में, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी 2023 की एक रूलिंग निकाल कर उपसभापति को पत्र लिख दिया है। दोनों पक्ष नियमों के सवाल पर अड़े हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि ये नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रूप से चलाने के लिए बनाए गए हैं, न कि कामकाज ठप्प कराने के लिए। मानसून सत्र शुरू होने के पहले ही अंदाजा था कि एसआईआर पर हंगामा होगा। इसके पीछे विपक्ष की अपनी आशंकाएं हैं। शुरुआत से ही यह प्रक्रिया विवादों में रही है। आधार और वोटर कार्ड को मान्य डॉक्युमेंट्स में शामिल न करने से लेकर बड़ी संख्या में लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर निकालने तक, इसमें कई पेच फंसे हैं। चुनाव आयोग ने संशोधित वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट जारी कर दिया है और इसमें 65 लाख नाम हटाए गए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इन लोगों की पूरी जानकारी मांगी है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पिछले दिनों कहा था कि अगर विपक्षी दलों का हंगामा जारी रहता है, तो देशहित में सरकार के सामने विधेयक पारित कराने की मजबूरी होगी। लेकिन, लोकतंत्र के लिए यही बेहतर होगा कि दोनों पक्ष सदन का इस्तेमाल रचनात्मक बहस के लिए करें। आम नागरिक संसद से समाधान की उम्मीद करता है, न कि शोरशराबा। जब लाखों युवा रोजगार की बाट जोह रहे हैं, किसान कर्ज में डूब रहे हैं, और आमजन महंगाई से त्रस्त है, तब संसद में ठहाके नहीं, तकलीफों की चर्चा जरूरी है। यह सवाल अब बार-बार उठ रहा है कि क्या संसद केवल दिखावटी बन गई है? अगर सरकार विपक्ष को केवल बाधा मानकर चलती है और विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करता है, तो लोकतंत्र की आत्मा मरती है। जैसाकि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था, "संसद को ठप्प करना आसान है, लेकिन संसद को चलाकर देश की उम्मीदों को साधना ही असली लोकतंत्र है।" चुनाव आयोग एसआईआर की जरूरत को बता चुका है और शीर्ष अदालत ने भी उसे माना है। यह जरूरी भी है, क्योंकि भ्रष्ट वोटरों से चुनी जाने वाली सरकारें भी भ्रष्ट ही होती है। इसलिये चुनाव की इस विसंगति की सफाई होना जरूरी है, इस पर चर्चा की मांग को लेकर सत्ता पक्ष-विपक्ष के बीच गतिरोध बना हुआ है तो बातचीत से इसका हल निकालना होगा ताकि संसद का कामकाज सुचारुरूप से चल सके। लोकतंत्र में सदन चलाने की जिम्मेदारी सरकार की होती है। लेकिन इसमें विपक्ष का सहयोग भी अपेक्षित होता है, दोनों को अपना यह दायित्व समझना चाहिए।

संसद का हर सत्र, हर मिनट करदाताओं की गाढ़ी कमाई से चलता है। हर व्यवधान लाखों रुपये की बर्बादी है। यह नैतिक रूप से भी चिंताजनक है कि जनप्रतिनिधि बहस से अधिक हंगामे में समय गंवा रहे हैं। समाधान यही है कि सत्ता पक्ष विपक्ष की बात सुने, संवाद को प्राथमिकता दे। विपक्ष भी रचनात्मक विरोध करे, अनावश्यक बहिष्कार से बचे। लोकतंत्र बहस से ही मजबूत होता है, बहिष्कार से नहीं। वोटर लिस्ट रिवीजन पर चर्चा होनी चाहिए। जरूरी विधेयकों पर बहस होनी चाहिए। संसद को संकल्प का मंच बनना चाहिए, संग्राम का नहीं। जब तक संसद जनहित के सवालों पर गूंजेगी नहीं, तब तक लोकतंत्र अपंग ही रहेगा। जैसा कि डॉ. राधाकृष्णन ने कहा था-संसद केवल कानून बनाने का स्थान नहीं, यह राष्ट्र के विवेक की आवाज है।' लेकिन जब यह विवेक ही हंगामे में दब जाए, तो संविधान की आत्मा कराह उठती है। आज जरूरत है कि संसद को नई दिशा, नया दृष्टिकोण और नई मर्यादा मिले। संसद की गरिमा केवल आसनों से नहीं, आचरण से बनती है। संसद में वही नेता दिशा दे सकते हैं, जो अपने निजी या दलगत हित से ऊपर उठकर राष्ट्रहित की सोच रखते हैं। जब तक संसद के सदस्य यह नहीं समझेंगे कि वे जनता के प्रतिनिधि हैं, न कि अपने दल के प्रचारक, तब तक दिशा भटकती रहेगी।

विपक्ष लोकतंत्र की आंख है। लेकिन जब यह आंख केवल अंधविरोध में अंधी हो जाए, तो लोकतंत्र की दृष्टि धुंधली हो जाती है। विपक्ष को सद्बुद्धि दे सकता है, जनता का दबाव। जब जनता यह स्पष्ट रूप से जताए कि उसे रचनात्मक, नीति आधारित विपक्ष चाहिए न कि नारेबाज नेता, तब विपक्ष को भी सुधरना पड़ेगा। विपक्ष को आत्मचिंतन करना चाहिए कि क्या वह जनता की लड़ाई लड़ रहा है या केवल सत्तालोलुप राजनीति कर रहा है? मीडिया को चाहिए कि वह हंगामे को महिमामंडित करने के बजाय, नीति और तर्क आधारित बहस को आगे बढ़ाए। संसद में विवाद होना लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन वही विवाद अगर दिशा विहीन हो जाए, तो वह कमजोरी बन जाता है। आज जरूरत है कि संसद की गरिमा को पुनर्स्थापित किया जाए, विपक्ष अपनी भूमिका को गंभीरता से निभाए और सरकार भी अहंकार छोड़कर संवाद को अवसर दे। संसद यदि सचमुच "लोक का मंदिर" है, तो वहाँ केवल सत्ता की पूजा नहीं, लोकमंगल की बात होनी चाहिए।

सड़क बनी नहीं, कर दिया 26 लाख का भुगतान, डीएम बोले- 25-30 लाख की चूक बहुत छोटी है...

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में कागजों पर सड़क बनाकर 26। 58 लाख रुपए भुगतान किए जाने का मामला सामने आया। इसके बाद सपा विधायक ने शिकायत की। उन्होंने PWD विभाग की ओर से बनाई गई सड़क और बिना काम कराए ही भुगतान के मामले में दोषियों पर कार्रवाई के बाबत जब जौनपुर के जिलाधिकारी से सवाल किया तो उन्होंने कहा कि PWD में लाखों में नहीं करोड़ों में काम होते हैं। ऐसे में सड़क न बनाकर 25 से 30 लाख रुपये के भुगतान का मामला बहुत छोटा है। इस छोटे मामले को तूल देकर सरकार या जिले की छवि खराब नहीं करनी चाहिए।

दरअसल, मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक पटेल ने वित्तीय वर्ष 2023- 24 में PWD को सुजानगंज ब्लॉक के 2300 मीटर लंबे शिव रिहा संपर्क मार्ग के निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा था। विधायक के प्रस्ताव पर विभाग ने सड़क की स्वीकृति देते हुए इसका टेंडर भी एक ठेकेदार को दे दिया था। 26। 58 लाख रुपये की लागत से बनाई जाने वाली इस सड़क को PWD विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार ने मिलकर कागजों पर बना डाली। कागजों पर सड़क कंप्लीट करके उसका भुगतान भी कर दिया गया, जबकि हकीकत में सड़क बनी ही नहीं।

इस तरह से खुली भ्रष्टाचार की पोल

ग्रामीणों ने बताया कि साल 2013 के बाद इस सड़क की कभी मरम्मत नहीं हुई। टूटकर एकदम में गड्ढों में तब्दील हो गई थी। उनके द्वारा जब जर्जर शिव रिहा संपर्क मार्ग को लेकर विधायक पंकज पटेल से उसे बनवाने के लिए कहा जाने लगा तो विधायक ने बताया कि विभाग की ओर से सड़क का टेंडर तो उनके प्रस्ताव पर स्वीकृत करते हुए काफी पहले कराया जा चुका है। सड़क बन भी गई होगी, लेकिन जब विधायक ने ग्रामीणों के साथ जाकर देखा तो सड़क सिर्फ कागज पर बनाकर तैयार कर दी गई थी। उस पर गाड़िया फर्राटे भी भर रही थीं। लाखों का टेंडर देकर ठेकेदार की ओर से कागजों पर चमचमाती सड़क बनवाने के बाद जौनपुर के अधिकारियों ने उसका भुगतान भी कर दिया था।

शिकायत के बाद बनाई गई सड़क

सपा विधायक पंकज पटेल के प्रस्ताव पर जब सड़क की स्वीकृति करके उसे कागजों पर बनाकर उसका बाकायदा भुगतान करा दिया गया, लेकिन सड़क बनी ही नहीं तो उन्होंने डीएम और PWD सचिव से इसकी शिकायत की। विभाग ने जब इसकी जांच कर रिपोर्ट मांगी तो भ्रष्टाचार की कलई खुल गई। इसके बाद विधायक ग्रामीणों के साथ सड़क को लेकर हंगामा करने लगे। भ्रष्टाचार की पोल खुलने के बाद अपनी छीछालेदर बचाने के लिए आनन फानन में PWD विभाग़ के अधिकारियों और ठेकेदार ने मिलकर किसी तरह सड़क बनाई।

बिना सड़क बनाए ही कागजों पर ऑल इज वेल दिखाकर 26। 58 लाख रुपये का भुगतान किए जाने के मामले में जौनपुर के जिलाधिकारी दिनेश चंद्र सिंह ने खुद स्वीकार किया कि इस मामले में गलती जरूर हुई है, लेकिन इसमें जूनियर इंजीनियर समेत 3 लोगों पर कार्रवाई के लिए शासन को रिपोर्ट भेजी गई है। जौनपुर के जिलाधिकारी ने इतनी बड़ी गलती को सिर्फ स्वीकार की बल्कि, इसे बहुत छोटी से चूक बताते हुए कहा कि PWD लाखों में नहीं करोड़ों में काम करती है। ऐसे में ये केवल 25 से 30 लाख रुपये के बीच का बहुत छोटा सा मामला है। गलती जरूर हुई है, लेकिन ये छोटी सी चूक है।

जिलाधिकारी ने बताई छोटी सी चूक

जौनपुर के जिलाधिकारी ने आगे कहा कि इसलिए छोटी सी चूक में सरकार की या जिले की आलोचना नहीं होनी चाहिए। ये सरकार चाहती है कि इस सड़क पर काम हो, लेकिन कुछ लोग मुद्दा बनाकर सरकार की छवि प्रभावित करना चाहते हैं। सड़क को अब बनवा दिया गया है। हालांकि, इस पूरे मामले पर सपा विधायक पंकज पटेल का आरोप है कि ऐसे सिर्फ एक सड़क नहीं है। बल्कि, 50 से ज्यादा सड़कें हैं, जहां काम किए बगैर कागजों पर भुगतान कर दिया गया है। निष्पक्षता से जांच कराई जाए तो और भी मामले उजागर होंगे। इस सरकार में जीरो टॉलरेंस के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार और लूट मची हुई है।

लेखाधिकारी से मिल प्रतिनिधिमंडल ने दिया 6 सूत्रीय ज्ञापन

सुलतानपुर। नवागत लेखाधिकारी राम बचन से मिल जुलाई माह का वेतन माह के प्रथम दिवस प्रेषित करने पर आभार व्यक्त किया गया। लेखाधिकारी महोदय ने आश्वस्त किया कि कार्यालय स्तर पर लंबित समस्त प्रकरणों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण किया जाएगा। अंतर्जनपदीय अध्यापकों की वेतन वृद्धि एलपीसी या सेवापुस्तिका के अभाव में न लग पाने के क्रम में दोनो ही अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि शीघ्र ही इस सम्बंध में निर्देश जारी किया जाएंगा। लेखाधिकारी ने अवगत कराया की जीवन बीमा की धनराशि प्राप्त हुई है जिसको अगले सप्ताह चेक के माध्यम से वितरित कराया जायेगा। सेवानिवृत्त शिक्षकों के पीपीओ प्राप्त नही हुए है लेखाधिकारी ने आश्वाशन दिया की विभागीय स्तर पर प्रयास करके शीघ्र ही पीपीओ जारी करवाया जाएगा। जीपीएफ पास बुक अद्यतन बनवाकर लेखापर्ची वितरित करने की मांग पर लेखाधिकारी महोदय ने कहा कि सभी के सहयोग से यह कार्य संपन्न कराया जाएगा।

शादी के कार्ड के नाम पर हो रहा साइबर फ्रॉड, पुलिस ने किया सतर्क

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पुलिस महानिदेशक के निर्देश एवं पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह के मार्गदर्शन में साइबर अपराधों के खिलाफ जनजागरूकता अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना साइबर प्रभारी देवेंद्र सिंह ने स्कूली बच्चों को साइबर अपराध से बचाव के लिए महत्वपूर्ण जानकारी दी।

साइबर प्रभारी ने बताया कि वर्तमान समय में एक नया ठगी का तरीका सामने आया है, जिसमें मोबाइल पर शादी का कार्ड भेजकर उसे डाउनलोड करने को कहा जाता है। कार्ड डाउनलोड करते ही मोबाइल का एक्सेस साइबर अपराधियों के पास चला जाता है, जिससे वे आपकी निजी जानकारियां, बैंक डिटेल्स और यहां तक कि आपकी बातचीत तक सुन सकते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि मोबाइल पर किसी भी अज्ञात लिंक, ऐप या ओटीपी को साझा न करें और न ही डाउनलोड करें। यदि गलती से कोई संदिग्ध ऐप डाउनलोड हो जाए, तो तुरंत नजदीकी साइबर थाने (पुलिस लाइन स्थित) पर जाकर शिकायत दर्ज कराएं। देवेंद्र सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी अब परिचित नंबरों का इस्तेमाल कर भरोसा जीतते हैं और फिर लोगों को ठगते हैं। ऐसे में जागरूक रहना ही सबसे बड़ा बचाव है। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर स्कूलों और सार्वजनिक स्थलों पर समय-समय पर लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा रहा है। जागरूकता अभियान में मौजूद रहे थाना प्रभारी साइबर देवेंद्र सिंह कांस्टेबल एजाज सूरज शुभम समस्त साइबर कर्मचारी जागरूकता अभियान को तेजी से जनता के बीच जाकर साइबर अपराध से बचने के लिए सुझाव और बचाव का तरीका सजा कर रहे हैं।

यूपी में भारी बारिश से मचा त्राहिमाम, लखनऊ सहित इन सभी जिलों में मिडिल स्कूल बंद

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मॉनसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है, और भारी बारिश के कारण जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के कई जिलों में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और जलभराव की स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने बच्चों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए मिडिल स्कूलों को बंद करने का फैसला लिया है।

लखनऊ की जिलाधिकारी विशाख जी ने आज, 8 अगस्त 2025 को कक्षा 1 से 8 तक के सभी सरकारी, अशासकीय, सहायता प्राप्त, निजी, और सभी बोर्ड (सीबीएसई, आईसीएसई, यूपी बोर्ड आदि) से संबद्ध स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की है। लखनऊ में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर हो रही तेज बारिश ने सड़कों पर जलभराव और यातायात की समस्या पैदा कर दी है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले कुछ दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी है, जिसके चलते प्रशासन ने एहतियातन यह कदम उठाया है। जिलाधिकारी विशाख जी ने आदेश जारी करते हुए कहा- बच्चों की सुरक्षा हमारी पहली प्राथमिकता है। भारी बारिश और जलभराव के कारण स्कूलों तक पहुंचना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी स्कूलों को आज बंद रखने का निर्णय लिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, लखनऊ में कई इलाकों जैसे गोमती नगर, हजरतगंज, और चारबाग में सड़कों पर पानी भर गया है, जिससे स्कूल वैन और बसों का संचालन मुश्किल हो गया है। कुछ स्कूलों ने अभिभावकों को पहले ही सूचित कर दिया था कि बच्चे घर से न निकलें, और जो बच्चे स्कूल पहुंच गए थे, उन्हें सुरक्षित वापस घर भेजने की व्यवस्था की गई।

सीएम योगी ने दिए निर्देश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों की निगरानी कर रहे हैं और राहत कार्यों के लिए अधिकारियों को निर्देश दे रहे हैं। एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीमें बाढ़ प्रभावित इलाकों में तैनात की गई हैं, और नावों की व्यवस्था की गई है ताकि जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा सके।

कहां-कहां स्कूल रहेंगे बंद

लखनऊ के अलावा, उत्तर प्रदेश के कई अन्य जिलों में भी भारी बारिश और बाढ़ जैसे हालात के कारण प्राथमिक स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया है। मौसम विभाग ने 17 जिलों के लिए भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जिसमें प्रयागराज, वाराणसी, मिर्जापुर, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, जालौन, चित्रकूट, और शाहजहांपुर जैसे जिले शामिल हैं। अधिकतर जिलों में अब स्कूल 11 अगस्त को खुलेंगे क्योंकि 9 अगस्त को रक्षाबंधन और 10अगस्त को रविवार पड़ रहा है।

मौसम विभाग का अलर्ट

भारतीय मौसम विभाग (IMD) ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में 8 से 9 अगस्त तक भारी बारिश और आकाशीय बिजली की चेतावनी जारी की है। कुछ जिलों में रेड अलर्ट और कुछ में ऑरेंज अलर्ट लागू है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, बंगाल की खाड़ी से आए मॉनसून सिस्टम के कारण अगले कुछ दिनों तक बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है।

रक्षा बंधन : प्रेम, विश्वास और संरक्षण का प्रतीक पर्व

आर्यावर्त संवाददाता

बल्दीराय/सुल्तानपुर। रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, बल्कि भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का ऐसा बंधन है, जो जीवनभर साथ निभाने, एक-दूसरे की रक्षा करने और सम्मान देने का संकल्प देता है। यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है । जब बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हैं। बदले में भाई उन्हें जीवनभर सुरक्षा देने का वचन देते हैं। यह पर्व भारतीय संस्कृति की उस आत्मा को दर्शाता है जहाँ रिश्ते केवल खून से नहीं, भावना से भी जुड़ते हैं। आज के दौर में यह त्योहार सामाजिक सौहार्द, एकता और कर्तव्य की भावना को भी मजबूती देता है।

रक्षाबंधन का महत्व केवल परिवार तक सीमित नहीं रहा। अब बहनें देश की रक्षा करने वाले सैनिकों, समाज की सेवा करने वाले पुलिसकर्मियों, डॉक्टरों और सफाईकर्मियों को भी राखी बांध कर अपने भाव प्रकट करती हैं। रक्षाबंधन यह संदेश देता है कि रक्षा का यह बंधन केवल रक्षात्मक नहीं, अपितु सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक भी है । शहरों से लेकर गांवों तक, आज हर कोना रक्षाबंधन के रंग में रंगा होता है । बच्चे, युवा, बुजुर्ग – सभी इस पर्व को उत्साह और प्रेम से मनाते हैं । भाई बहन का पवित्र त्योहार यह सिद्ध करता है कि जब रिश्तों में विश्वास, समर्पण और स्नेह होता है, तब समाज और परिवार दोनों ही मजबूत होते हैं।

यात्रियों से भरी चलती बस पर गिरा पेड़, 4 लोगों की मौत, कई घायल

आर्यावर्त संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश में लगातार बारिश का दौर जारी है। कई जिलों में बाढ़ आई हुई है। अब बाराबंकी में एक हादसा हो गया। बाराबंकी में भारी बारिश के बीच एक रोडवेज बस पर बड़ा पेड़ गिर गया। इससे बस में सवार चार यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री इस हादसे में घायल हो गए। मृतकों में बस ड्राइवर भी शामिल था, जिसके साथ बाकी तीन यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई।

ये हादसा जैदपुर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत हरख चौराहे के पास राजा बाजार में हुआ। यहां से जब रोडवेज बस गुजर रही थी। तभी उस पर एक बड़ा पेड़ अचानक से गिर गया। पेड़ गिरने से बस बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और और स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बस से निकाला गया और बाराबंकी के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

बस हादसे में 4 लोगों की मौत

जानकारी के मुताबिक ये बस बाराबंकी से हैदरगढ़ जा रही थी। लगातार हो रही बारिश के चलते जमीन दलदल हो रखी है। ऐसे में जब बस इस रास्ते से गुजरी तो पेड़ बस के ऊपर गिर गया और ये हादसा हो गया, जिसमें 4 लोगों की जान चली गई और करीब एक दर्जन यात्री घायल हो गए। सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना में बस की छत बुरी तरह डैमेज हो गई।

पेड़ गिरने का लाइव वीडियो

घटना का लाइव वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें एक तरफ से बस अपनी रफ्तार से आ रही है, जैसे ही पेड़ के पास पहुंचती है। पेड़ अचानक से बस के ऊपर गिर जाता है। बताया जा रहा है कि इस हादसे में मरने वालों की संख्या में बढ़ोतरी हो सकती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर दुख जाहिर किया और मृतकों के परिजनों को 5 लाख की आर्थिक सहायता दिए जाने के निर्देश भी दिए।

बाराबंकी ही नहीं उत्तर प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश के चलते हालात खराब हैं। बिजनौर जिले में गंगा नदी उफान पर है, जिससे कई इलाके जलमग्न हो गए हैं। गाजीपुर में भी गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर है, जिससे पांच तहसीलों के 116 गांव प्रभावित हुए हैं। चंदौली में भी स्थिति गंभीर है, घरों में पानी घुस गया है और लोग ऊंचाई वाली जगहों पर शरण लेने को मजबूर हैं।

जीआईसी में जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी आयोजित

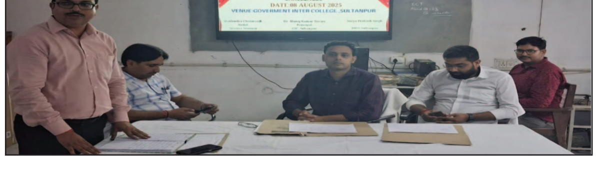

आर्यावर्त संवाददाता

सुलतानपुर। पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज, सुल्तानपुर में आज जनपद स्तरीय विज्ञान संगोष्ठी 2025 का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह, सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटाशंकर यादव और प्रधानाचार्य मनोज कुमार तिवारी ने किया।

संगोष्ठी राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, उत्तर प्रदेश के सहयोग से आयोजित हुई। इसमें जनपद के विभिन्न ब्लॉकों में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। जिसका विषय क्वांटम का आरंभ संभावनाएं एवं चुनौतिया थी। डॉ पंकज सिंह ने बताया कि क्वांटम कंप्यूटिंग भविष्य की तकनीकी क्रांति का आधार बनेगी। इसकी गति पारंपरिक सुपर कंप्यूटरों से लाखों गुना अधिक होगी। जटिल गणनाएं जो आज सैकड़ों वर्षों में पूरी हो सकती हैं, जो क्वांटम कंप्यूटर से कुछ ही सेकेंडों में संभव होंगी। इससे चिकित्सा के क्षेत्र में अत्याधुनिक निदान प्रणाली विकसित होगी। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ प्रदीप कुमार शर्मा, डॉ अभिषेक कुमार, चंदन राय, सचिन त्रिपाठी थे। संगोष्ठी में प्रथम स्थान संध्या पांडे केएनआईसी, द्वितीय स्थान कीर्ति तिवारी सीएल इंटर कॉलेज, छीटेपट्टी और तृतीय स्थान एकता चौहान श्री विश्वनाथ इंटर कॉलेज, कलान ने प्राप्त किया।

गाजीपुर के 102 स्कूल बाढ़ में डूबे, 150 गांव हुए जलमग्न ; खतरे के निशान से ऊपर पहुंचा गंगा का जलस्तर

आर्यावर्त संवाददाता

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। इसके चलते पांच तहसील में आने 150 से ज्यादा गांव बाढ़ के पानी से जलमग्न हो गए हैं। गांव वालों को छोटी-छोटी चीजों के लिए भी बहुत ज्यादा परेशान होना पड़ रहा है। करीब 102 स्कूल बाढ़ के पानी से घिर चुके हैं। ऐसे में शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों में 8 अगस्त तक के लिए छुट्टियों का ऐलान किया है। अगर बाढ़ का पानी कम नहीं होता है, तो भविष्य में यह छुट्टियां आगे एक्सटेंड की जा सकती है।

गाजीपुर जिले की पांच तहसील गंगा के बढ़ते जलस्तर से पूरी तरह से प्रभावित हो चुकी हैं। यहां रहने वाले लोगों का जीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, गाजीपुर के करीब 150 गांव बाढ़ के पानी से डूब चुके हैं। गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से करीब डेढ़ मीटर ऊपर बह रहा है, जो कि अब करीब आधे सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कम होने लगा है।

102 स्कूल पानी में डूबे

गंगा का जलस्तर कम होना उन लोगों के लिए किसी राहत से कम नहीं है, जो बाढ़ के पानी से प्रभावित है। गाजीपुर के पांच तहसीलों के 102 स्कूल को भी बाढ़ के पानी के कारण बंद करना पड़ा रहा है। यह स्कूल बाढ़ के पानी में डूब गए हैं। छात्रों और टीचर की सुरक्षा को देखते हुए बेसिक शिक्षा विभाग ने इन स्कूलों की 8 अगस्त तक छुट्टी कर दी है। बाढ़ के पानी का जलस्तर कम नहीं होने पर छुट्टियां आगे बढ़ाई जा सकती है।

सैकड़ों बीघा खेत बाढ़ के पानी से जलमग्न

जिला प्रशासन पीड़ित लोगों तक राहत सामग्री पहुंचाने की कोशिशों में जुटा है। बाढ़ के कारण किसानों के सैकड़ों बीघा खेत और फसलें जलमग्न हो गई हैं। कई गांवों के संपर्क मार्ग भी पानी में डूबे हुए हैं। जलस्तर के कम होने के बाद आने वाले दिनों में स्थिति में सुधार की उम्मीद है।

चंदन शर्मा हत्याकांड के आरोपी ने पुलिस को चकमा देकर किया सरेंडर

सुल्तानपुर। चंदन शर्मा हत्याकांड में वांछित चल रहे आरोपी अमित यादव ने बृहस्पतिवार को पुलिस को चकमा देकर अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुक्ता त्यागी की अदालत में चल रहे प्राण घातक हमले के अन्य मामले में सरेंडर कर दिया। अदालत ने अमित की अर्जी पर उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया है। जयसिंहपुर थाने के बझना निवासी चंदन शर्मा की बीते एक अगस्त को कार सवारो ने वाहन चढ़ाकर हत्या कर दी थी,जिसमे आरोपी अमित यादव समेत अन्य का नाम सामने आया है। घटना के बाद से ही क्षेत्रवासियों में पुलिसिया कार्यशैली को लेकर काफी आक्रोश है। आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए थाना प्रभारी सत्येंद्र कुमार सिंह को भी निर्देश जारी हुआ है। पुलिस भी अमित यादव व अन्य को गिरफ्तार करने के लिए काफी प्रयासरत भी बताती रही, फिलहाल वह सफल नहीं हो सकी।

6 करोड़ का 'मालिक' नौकर, उसी के नाम पर खोली थी कंपनी ; सीजीएसटी की रेड में खुला राज

आर्यावर्त संवाददाता

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में सीजीएसटी की छापेमारी में बड़ा खुलासा हुआ है। एक फर्जी कारोबारी के यहां करोड़ों रुपए के फर्जीवाड़े का पता चला है। गुरुवार शाम को सीजीएसटी के छापे में एक दर्जन शैल कंपनियों का पता चला है। फर्जी कारोबारी ने अपने नौकर के नाम से भी एक कंपनी खोल रखी थी जिससे करीब 6 करोड़ का कारोबार हुआ था। सीजीएसटी विभाग अब बड़ी कार्रवाई करने की तैयारी कर रहा है।

कानपुर के वीआईपी रोड स्थित एक अपार्टमेंट में गुरुवार शाम को सीजीएसटी की टीम ने छापा मारा। तीन गाड़ियों से आए करीब एक दर्जन अधिकारियों ने अपार्टमेंट के एक फ्लैट में कार्रवाई को अंजाम दिया। विभाग के सूत्रों के अनुसार, अपार्टमेंट में रहने वाला एक व्यक्ति फर्जी कारोबारी है। उसने कई फर्जी कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपए की टैक्स चोरी की है। टीम को छापे में कई ऐसी कंपनियों की मोहरें मिली हैं जो फर्जी बताई जा रही है।

नौकर के नाम खोल रखी थी कंपनी

विभाग के सूत्रों के अनुसार, मो। फरहीन नाम के इस व्यक्ति ने एक कंपनी अपने नौकर के नाम पर भी खोल रखी थी, जिसमें तकरीबन 6 करोड़ का कारोबार हुआ था। बताया जा रहा है कि करीब एक दर्जन ऐसी फर्जी कंपनियों का पता चला है जिसमें कोई कारोबार नहीं होता था और उनका इस्तेमाल सिर्फ टैक्स चोरी के लिए किया जाता था। टीम को कुछ ऐसे कागजात भी मिले हैं जिससे यह पता चलता है कि मो। फरहीन का बैंगकॉक नियमित आना जाना था।

छापेमारी में खुला राज

टीम ने फरहीन के फ्लैट में छापा मारने के साथ एक अन्य फ्लैट में भी छापा मारा, जिसको उसने किराए पर ले रखा था। वहां से टीम को कई कागजात और मोहरें मिली हैं। इसके अलावा कुछ चेक और संपत्ति से संबंधित दस्तावेज भी बरामद हुए हैं। अभी तक की जांच में करोड़ों रुपए के कारोबार की आशंका है जिसमें सिर्फ टैक्स की चोरी की गई थी।

रक्षाबंधन की पूजा थाली अधूरी है अगर ये 10 चीजें नहीं रखीं, देखें पूरी लिस्ट

राखी की थाली सजाने के लिए जरूरी सामग्री की लिस्ट तैयार कर लें और उसी के मुताबिक खरीदारी करके रखें। 10 ऐसी चीजें हैं जो राखी की पूजा थाली में जरूर शामिल की जानी चाहिए। यहां रक्षाबंधन पूजा थाली में शामिल की जाने वाली जरूरी सामग्री की लिस्ट दी जा रही है।

इस वर्ष रक्षाबंधन 9 अगस्त 2025 को है। राखी के पर्व पर बहन भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनकी लंबी आयु की कामना के साथ पूजा करती है। ऐसे में रक्षाबंधन के मौके पर एक पूजा की थाली और सभी जरूरी सामग्री का होना भी जरूरी है ताकि उस दिन कोई सामान छूट न जाए और पूजा अधूरी न रह जाए। रक्षाबंधन के लिए बहन पहले से राखी और मिठाई तो खरीद लाती हैं लेकिन कुछ सामग्री भूल भी जाती हैं। कई बार तो ऐसा होता है कि राखी बांधने से पहले भाई को दुकान जाकर राखी का जरूरी बचा सामान लाने भेजना पड़ जाता है। ऐसे में पहले से ही रक्षाबंधन की सभी पूजा सामग्री घर ले आएं। इसके लिए राखी की थाली सजाने के लिए जरूरी सामग्री की लिस्ट तैयार कर लें और उसी के मुताबिक खरीदारी करके रखें। 10 ऐसी चीजें हैं जो राखी की पूजा थाली में जरूर शामिल की जानी चाहिए। यहां रक्षाबंधन पूजा थाली में शामिल की जाने वाली जरूरी सामग्री की लिस्ट दी जा रही है।

राखी

रक्षाबंधन में सबसे जरूरी चीज होती है राखी यानी रक्षासूत्र जिसे बहन भाई की कलाई पर बांधती है। सुंदर और शुभ राखी जो भाई की कलाई पर बांधी जानी है, उसे रक्षाबंधन की पूजा की थाली में सजा लें।

दीया

पूजा की थाली बिना दीपक के अधूरी है। रक्षाबंधन पर बहन भाई की आरती उतारती हैं, ताकि उसकी लौ की गर्माहट भाई के जीवन में हमेशा गर्मजोशी भर दे। आरती के लिए पूजा की थाली में तेल या घी का दीपक पहले से रखें। इसे पूजा थाली में जलाना शुभ होता है।

रोली या कुमकुम

बहनें भाई के मस्तक पर हल्दी-कुमकुम या रोली से तिलक करती हैं और उसके बाद राखी बांधती हैं। राखी पर भाई को तिलक लगाना न भूलें, इसके लिए जरूरी है कि पूजा की थाली में पहले से रोली या कुमकुम सजा लें। यह शुभता का प्रतीक होता है।

अक्षत

हिंदू धर्म में पूजा पाठ के दौरान साफ चावल यानी अक्षत का होना जरूरी होता है। भाई के मस्तक पर तिलक लगाने के बाद अक्षत लगाया जाता है। ऐसे में पूजा की थाली में अक्षत यानी चावल के चार-छह दाने जरूर शामिल करें।

मिठाई

राखी बांधने के बाद भाई का मुंह मीठा कराना परंपरा का हिस्सा है। इसलिए पूजा की थाली में मिठाई को जरूर रखें। आप लड्डू या भाई की कोई भी पसंदीदा मिठाई को शामिल कर सकते हैं।

पुष्प

पूजा की थाली पुष्प यानी फूलों के बिना अधूरी लगती है। यह भाई के जीवन में फूलों सी महक लाने का प्रतीक है। फूल सजावट और सुंदरता बढ़ाने का काम भी करते हैं। पूजा में उपयोग होने वाले ताजे फूल थाली में रखें।

पानी का कलश या छोटी कटोरी

पूजा की थाली में पानी का कलश भरकर रखें। यह जल भाई का मूंह मीठा कराने के बाद पानी पिलाने के काम आता है। साथ में एक छोटी कटोरी भी थाली में रखें। इसका उपयोग तिलक के समय किया जाता है।

नारियल

अगर संभव हो तो नारियल को पूजा की थाली में रखें। नारियल को रक्षा और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। अधिकतर सभी शुभ कार्यों में नारियल को शामिल किया जाता है। ऐसे में राखी की पूजा थाली में भी नारियल रख सकती हैं।

प्रसाद

रक्षाबंधन पर पूर्णिमा तिथि होती है। ऐसे में राखी से पहले भगवान की पूजा की जाती है। सबसे पहली राखी भगवान को ही अर्पित की जाती है और उन्हें प्रसाद में जो कुछ अर्पित किया जाता है, उसे पूजा की थाली में रखें, ताकि प्रसाद के रूप में भाई को दी जा सके।

भाई की पसंदीदा चीज

वैसे तो रक्षाबंधन में भाई बहन को तोहफा देते हैं। लेकिन अगर भाई छोटा हो या आप अपने भाई को कुछ देना चाहती हैं तो उनके तोहफे को पूजा की थाली में सजाएं। भाई की पसंदीदा चीज जैसे चॉकलेट, ड्राय फ्रूट्स आदि भी थाली में जोड़े जा सकते हैं।

चॉकलेट-मिठाई का बदला युग, कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स की डिमांड, लाड़ली बहन को दें ये गिफ्ट

रक्षाबंधन में केवल एक ही दिन बचा है। ऐसे में बाजारों में चहल-पहल और रौनक देखते ही बन रही है। शगुन के तौर पर भाई अपनी बहनों के लिए ऐसे कस्टमाइज्ड गिफ्ट्स की खरीदारी कर रहे हैं जो यादगार और उपयोगी होने के साथ रिश्तों की गहराई को भी दर्शाए। बाजारों में इस तरह के पर्सनलाइज्ड आइटम्स, तकनीकी गैजेट्स और स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों व अन्य गिफ्ट के कई विकल्प करवा रखे हैं।

ऐसे में इस ट्रेंड ने हमेशा से चलता आ रहे चॉकलेट और मिठाई वाले युग को बदल दिया है। यह बदलता ट्रेंड केवल उपहार नहीं, रिश्तों की गहराई और समय के साथ बदली सोच की झलक भी दिखा रहा है।

युवा से लेकर उम्रदराज तक सभी भाई अब बहनों के लिए इस प्रकार के उपहार या तकनीकी गैजेट्स खरीद रहे है जिसमें उनकी तस्वरीरें व नाम छप सके। इससे उपहार उनके रिश्ते की गहराई को दर्शाते हुए यादगार बन जाए। वहीं, कस्टमाइज्ड फोटो फ्रेम की भी खूब मांग है, क्योंकि यह आसानी से उपलब्ध भी है। आईएनए मार्केट में एक गिफ्ट शॉप मालिक सुमित ने बताया कि इसमें भाई-बहन की बचपन की तस्वीरें या खास पल उकेरे जाते हैं। इसकी कीमत 500 से 1500 रुपये तक है। एक्रिलिक एलईडी लाइट्स भी ट्रेंड में हैं, जिनमें बहन का नाम और राखी कोट्स के साथ एलईडी बैकलाइटिंग होती है, जो रात में कमरे को रोशन करती है। ये उपहार न केवल सजावटी हैं, बल्कि रोजमर्रा में उपयोगी भी हैं। इसकी कीमत 800 से 1200 तक रुपये है।

तकनीकी उपहारों में पर्सनलाइज्ड स्मार्ट अंगुठी का क्रेज बढ़ रहा है। ये रिंग्स फिटनेस ट्रैकिंग और स्टाइल का मेल हैं जिनमें बहन का नाम या संदेश उकेरा जा सकता है। इसके अलावा इको-फ्रेंडली और हस्तशिल्प के गिफ्ट भी बाजार में छाए हुए हैं। इसमें सीड पेपर डायरी, हैंडमेड सिल्क थ्रेड ब्रेसलेट्स, जैसे कई विकल्प को पसंद किया जा रहा है। वहीं, कुछ भाई आध्यात्मिक उपहारों की ओर भी रुख कर रहे हैं।

ऐसे में वह रुद्राक्ष पेंडेंट को बहन के नाम के साथ कस्टमाइज करवा के खरीद रहे है। लाजपत नगर में अपनी बहन के लिए गिफ्ट खरीदने आए प्रियांशु रावत ने बताया कि उन्होंने इस बार अपनी बहन के लिए एक कस्टमाइज नेकलेस बनवाया है, जिसमें उन दोनों की बचपन की तस्वीर हैं। उन्होंने बताया कि अगले साल उनकी बहन की शादी होने वाली है, ऐसे में यह एक यादगार तोहफा रहेगा। वहीं, पालिका बाजार में खरीदारी करने आए उज्जवल गर्ग ने बताया कि उन्होंने अपनी बहन के लिए कई सारे पर्सनलाइज्ड व कस्टमाइज गिफ्ट खरीदे है। उन्होंने बताया कि उनकी बहन ने गिफ्ट की लंबी लिस्ट दी है, जिसे वे मार्केट में खरीदने आए है।

सरप्राइज करने जा रहे हैं बहन को? इन ट्रैवल टिप्स के बिना मत निकलिए

अगर इस बार बहन किसी दूर शहर में है और आप सोच रहे हैं कि उसे सरप्राइज कैसे दें तो कुछ स्मार्ट ट्रैवल प्लानिंग से आप उन्हें चौंका सकते हैं और वो भी बिना जेब पर भारी पड़े।

रक्षाबंधन भाई-बहन की भावनाओं, स्नेह और अटूट रिश्ते का पर्व है। इस पर्व में बहन सिर्फ भाई को राखी नहीं बांधती, बल्कि उनकी लंबी आयु की कामना भी करती हैं और भाई भी बहन की सुरक्षा का संकल्प लेते हैं। इस दौरान वह एक दूसरे के साथ होते हैं और मिलकर सेलिब्रेट करते हैं। कई बार ऐसा होता है कि भाई या बहन किसी कारण से रक्षाबंधन पर एक दूसरे के साथ नहीं हो पाते। एक ही शहर में न होने के कारण उनके लिए रक्षाबंधन मनाना पारंपरिक तौर पर संभव नहीं होता। वैसे तो ऐसी स्थिति में बहन भाई को राखी भेज देती हैं और भाई बहन डिजिटल माध्यम से एक-दूसरे के साथ पर्व मना लेते हैं लेकिन एक कमी तो रह ही जाती है। लेकिन अगर इस बार बहन किसी दूर शहर में है और आप सोच रहे हैं कि उसे सरप्राइज कैसे दें तो कुछ स्मार्ट ट्रैवल प्लानिंग से आप उन्हें चौंका सकते हैं और वो भी बिना जेब पर भारी पड़े।

फ्लाइट या ट्रेन बुकिंग का सही समय

रक्षाबंधन से 10 या 15 दिन पहले टिकट बुक करने पर आपको किफायती दरों पर फ्लाइट या ट्रेन टिकट मिल सकते हैं। ऑफ-पीक टाइम ट्रैवल जैसे सुबह जल्दी या रात को यात्रा करें, ताकि किराया कम हो।

बस का विकल्प

अगर बजट तंग है तो स्लीपर क्लास या एसी वोल्वो बस ट्रैवल एक अच्छा विकल्प हो सकता है। आजकल ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर डिस्काउंट कूपन भी मिलते हैं।

सरप्राइज की प्लानिंग

सीधे घर के बजाय किसी नजदीकी कैफे, मंदिर या उसके ऑफिस के बाहर मिलने की प्लानिंग करें और उसे वहीं बुलाएं। यह विजिट जिंदगी भर की याद बन जाएगी।

छोटा गिफ्ट, बड़ा इमोशन

भारी तोहफों की जगह कोई भावनात्मक हैंडमेड गिफ्ट साथ रखें। राखी के साथ एक छोटा लेटर या फैमिली फोटो भी उसे भावुक कर देगा।

ट्रैवल के हर पल को कैप्चर करें

इस ट्रिप की एक प्यारी सी इंस्टाग्राम रील या वीडियो बनाएं और उसे बाद में शेयर करें ताकि ये सरप्राइज विजिट हमेशा के लिए यादगार बन जाए।

अब बहनें भी बन रही हैं भाइयों की रक्षक, पढ़ें चार सशक्त महिलाओं की कहानियां

इस वर्ष 9 अगस्त 2025 को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जा रहा है। राखी की त्योहार भाई-बहन के अटूट प्रेम, सशक्त रिश्ते और दायित्वो का पर्व है। कहते हैं कि बहन भाई की लंबी आयु की कामना करती है और भाई बहन की रक्षा का दायित्व निभाता है। लेकिन क्या रक्षा करना सिर्फ भाइयों का दायित्व है। एक रक्षासूत्र भाइयों के कंधों पर जिम्मेदारी ला सकता है? उसी रक्षासूत्र को बांधने वाली बहन का दायित्व क्या है?

आज की महिलाएं जो हर क्षेत्र में आगे हैं, वे डॉक्टर हैं, सैनिक हैं, अफसर हैं, इंजीनियर हैं और अपने परिवार की रीढ़ भी बनती जा रही हैं तो फिर भाई की रक्षक क्यों नहीं बन सकतीं? आज बहनें भी अपने भाई, माता-पिता और देश के लिए ढाल बनकर खड़ी हैं। इस रक्षाबंधन के अवसर पर महिलाओं की शक्ति, समर्पण और उनके द्वारा निभाई गई 'रक्षक' की भूमिका के बारे में जानते हैं। इस लेख में देश की ऐसी पांच बहनों की कहानियां शामिल हैं, जिन्होंने बहन शब्द की एक नई परिभाषा दी है।

लता मंगेशकर और हृदयनाथ मंगेशकर

स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने भारत ही नहीं, विश्व में संगीत के क्षेत्र में अपना परचम लहराया। उनके छोटे भाई हृदयनाथ मंगेशकर खुद भी संगीतकार हैं, लेकिन लता जी की आवाज और ख्याति के सामने उनकी पहचान छोटी लगती है। लता दीदी ने पूरे परिवार को आर्थिक और सामाजिक रूप से संभाला। वह अपने परिवार की रीढ़ की हड्डी और भाई-बहनों के सपनों को पंख देने वाली ऐसी रक्षक बनीं, जिन्होंने पूरे मंगेशकर परिवार को गौरवान्वित किया।

प्रियंका गांधी वाड्रा और राहुल गांधी

राहुल गांधी राजनीति में काफी सक्रिय हैं लेकिन जब भी उन्हें जरूरत पड़ी प्रियंका गांधी वाड्रा भाई की ढाल बनकर खड़ी रहीं। वह राहुल गांधी के साथ कई रैलियों और मंच पर नजर आईं। जहां एक वक्त पर राहुल गांधी की छवि को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा था, उस वक्त प्रियंका गांधी वाड्रा इंदिरा गांधी की तरह वाली दमदार छवि में आईं लेकिन उन्होंने खुद से अधिक भाई की छवि को बेहतर बनाने की कोशिश की।

प्रियंका चोपड़ा और सिद्धार्थ चोपड़ा

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने ना केवल बॉलीवुड बल्कि हॉलीवुड में भी अपना नाम रोशन किया। उनके भाई सिद्धार्थ एक शेफ और एंटरप्रेन्योर हैं, लेकिन लोकप्रियता और प्रभाव में प्रियंका बहुत आगे हैं। प्रियंका ने हमेशा अपने भाई को सपोर्ट किया। हाल ही में जब प्रियंका के भाई की शादी हुई तो वह एक बड़ी बहन, मां और दोस्त की तरह अपने भाई के साथ नजर आईं। वह एक ग्लोबल आइकन है, जिसपर उनके भाई भी गर्व करते होंगे।

रोहिणी आचार्य और तेजस्वी व तेज प्रताप यादव

बिहार की राजनीति का बड़ा नाम लालू यादव की राजनीतिक विरासत भले ही उनके बेटे तेजस्वी यादव संभाल रहे हों लेकिन उनकी बेटी भी परिवार पर आने वाली आपदा के सामने ढाल बनकर खड़ी रहीं। जब पिता लालू यादव को स्वास्थ्य समस्या हुई तो बेटी रोहिणी आचार्य ने उन्हें किडनी दान की। एक बेटी ने बेटे का फर्ज निभाया और पिता, भाई और परिवार की रक्षक बनीं।

बहन के लिए गिफ्ट खरीदने वाले सावधान, वरना एक क्लिक और खाली हो सकता है बैंक अकाउंट

अगर आप भी राखी पर अपनी बहन के लिए कोई गिफ्ट ले रहे हैं तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। वरना आपकी एक गलती से आप फ्रॉड का शिकार हो सकते हैं।

भारत देश में साल भर में कई तरह के अलग-अलग त्योहार मनाए जाते हैं और हर एक त्योहार की अपनी अलग मान्यता है। जैसे, इस बार 9 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। दरअसल, इस दिन बहन अपने भाई की कलाई में राखी बांधती है और बदल में भाई अपनी बहन को कोई उपहार देता है। इसके लिए देश भर में अलग ही धूम देखी जा सकती है। बाजार राखियों से सजे हुए हुए हैं और बहनें अपने भाई के लिए राखियां खरीद रही हैं।

वहीं, भाई भी अपन बहनों के लिए उपहार खरीदते हैं और अब तो लोग ऑफलाइन से ज्यादा ऑनलाइन कोई गिफ्ट खरीद लेते हैं। यहां तक कि अब तो लोग ई-वाउचर, कोई शॉपिंग कार्ड आदि भी ऑनलाइन खरीद लेते हैं और बहन को गिफ्ट करते हैं, लेकिन इस बीच आपको कुछ बातों का ध्यान रखना है। वरना आपके राखी के पर्व में जालसाज सेंध लगा सकते हैं और आपका बैंक खाता खाली कर सकते हैं। तो चलिए जानते हैं बहन के लिए ऑनलाइन गिफ्ट खरीदते समय आपको किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। अगली स्लाइड्स में आप इस बारे में जान सकते हैं...

ऑनलाइन गिफ्ट खरीदते समय इन बातों का ध्यान रखें

नंबर 1

आजकल जालसाज लोगों को ठगने के लिए ईमेल और सोशल मीडिया का खासतौर पर सहारा लेते हैं। वे लोगों को कई ऐसे लुभावने ऑफर्स भेजते हैं जिसे देखकर कोई भी इन पर विश्वास कर बैठे, लेकिन आपको इन पर यकीन नहीं करना है और ऐसे किसी ईमेल या सोशल मीडिया पर आए मैसेज पर कभी विश्वास नहीं करनी है और न ही यहां कोई अपनी जानकारी देनी है। वरना आपके साथ ठगी हो सकती है।

नंबर 2

आजकल भाई अपनी बहनों को गिफ्ट कार्ड या ई-गिफ्ट कार्ड भी काफी देते हैं जिसे वे ऑनलाइन ही बुक कर देते हैं और ये आसानी से डिलीवरी भी हो जाता है। पर ध्यान रखें किसी ऑफर्स या किसी अनजानी एप या वेबसाइट से कभी इसे ऑर्डर न करें, वरना आपके पैसे भी चले जाएंगे और आपके बैंक खाते में भी सेंध लग सकती है। इसलिए हमेशा विश्वसनीय एप या वेबसाइट से ही गिफ्ट कार्ड खरीदें।

नंबर 3

जालसाज राखी के त्योहार का फायदा उठाकर कई फेक वेबसाइट ये एप भी तैयार करने से बाज नहीं आते, जो देखने में एकदम असली होती है। इन वेबसाइट पर आपको गिफ्ट भी एकदम सस्ते और एक के साथ एक फ्री टाइप मिलते हैं ताकि, आप एक बार देखें तो बिना ऑर्डर करे न लौटें। पर ध्यान दें कि ये वेबसाइट या एप आपकी बैंकिंग जानकारी चुराकर आपको ठग सकती है। इसलिए ऐसी किसी नई वेबसाइट या एप से गिफ्ट खरीदते समय पहले उसकी जांच जरूर करें।

नंबर 4

आजकल का समय सोशल मीडिया का है और यहां पर क्या असली और क्या नकली, इसका पता करना बेहद कठिन है। त्योहार के मौकों पर कई मैसेज या कोई लिंक यहां पर काफी शेयर होता है जिसमें कहा जाता है कि कोई कंपनी राखी के त्योहार के मौके पर आपकी बहन को मुफ्त में गिफ्ट दे रही है। बस यहां पर अपना नाम, मोबाइल नंबर आदि जानकारी शेयर करें। बस असली खेल यहीं से शुरू होता है और जैसे ही आप दिए हुए लिंक पर क्लिक करते हैं आपके मोबाइल को हैक करके आपको ठग दिया जाता है। इसलिए कभी किसी अनजाने लिंक पर क्लिक न करें।

अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर क्या होगा प्रभाव, आरबीआई गवर्नर ने दी सारी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को कहा कि जब तक कि कोई जवाबी टैरिफ न लगाया जाए, अमेरिकी टैरिफ बढ़ोतरी का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ेगा।

मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरबीआई गवर्नर ने कहा, अमेरिकी टैरिफ को लेकर जारी अनिश्चितता का भारतीय अर्थव्यवस्था पर कोई बड़ा असर नहीं पड़ सकता है। यह जवाबी टैरिफ के लागू होने पर निर्भर है, जिसकी हमें कोई उम्मीद नहीं है। भारत और अमेरिका के बीच बढ़ते व्यापार तनाव पर टिप्पणी करने के लिए कहे जाने पर उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि हम एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकाल लेंगे। आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा ने यह भी बताया कि आरबीआई ने कुछ वैश्विक अनिश्चितताओं को ध्यान में रखते हुए अपने जीडीपी विकास अनुमान को पहले ही 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है।

उन्होंने आगे कहा कि आरबीआई को विश्वास है कि उसका विदेशी मुद्रा भंडार 11 महीने के आयात के लिए पर्याप्त है। उन्होंने कहा, हमें अपनी जरूरतें बाहरी क्षेत्र से पूरी करने का पूरा भरोसा है। भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने पर घरेलू मुद्रास्फीति के संभावित प्रभाव के बारे में उन्होंने कहा कि यह ध्यान रखना जरूरी है कि भारत केवल रूस से ही नहीं, बल्कि कई दूसरे देशों से तेल खरीदता है। उन्होंने आगे कहा, हमें दो बातों का ध्यान रखना होगा पहली यह कि हम न केवल रूसी तेल ले रहे हैं, बल्कि कई अन्य देशों से भी तेल ले रहे हैं। अगर मिश्रण में बदलाव होता है तो इसकी कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव और कच्चे तेल की वैश्विक कमोडिटी कीमतें क्या रहेंगी, यह इन बातों पर निर्भर करेगा। दूसरी बात यह कि उत्पाद शुल्क और दूसरे टैरिफ के रूप में इसका कितना प्रभाव सरकार वहन करती है, यह इस बात पर निर्भर करेगा। इसलिए, फिलहाल हमें मुद्रास्फीति पर इसका कोई बड़ा असर नहीं दिख रहा है क्योंकि मुझे लगता है कि अगर कोई 'प्राइस शॉकÓ लगता है, तो सरकार राजकोषीय पक्ष पर उचित फैसला लेगी। आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा, मुद्रास्फीति पर इसका प्रभाव बहुत सीमित रहने की संभावना है। हमारी मुद्रास्फीति बास्केट में लगभग आधा हिस्सा खाद्य पदार्थों का है, जिस पर वैश्विक घटनाक्रमों का सीधा असर नहीं पड़ता।

रूस से तेल डील पर बौखलाए ट्रंप, भारत पर लगाया 25 पर्सेंट एक्स्ट्रा टैरिफ

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को भारत से होने वाले आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाने का आदेश जारी किया है। इस फैसले के पीछे भारत द्वारा रूस से तेल खरीद जारी रखना बताया गया है। 25त्न एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने के बाद अब भारत पर कुल टैरिफ 50 फीसदी हो गया है।

व्हाइट हाउस के अनुसार, यह कदम यूक्रेन युद्ध के चलते रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों को और प्रभावी बनाने की दिशा में उठाया गया है। ट्रंप ने पहले ही पिछले सप्ताह भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क लगाने की घोषणा की थी, जिसे अब आधिकारिक रूप से लागू किया जा रहा है। आदेश में कहा गया है कि भारत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रूस से तेल आयात कर रहा है, जिसे अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति के लिए खतरा मानता है। आदेश के मुताबिक, अनुरूप कानूनों के तहत, अमेरिका के सीमा शुल्क क्षेत्र में भारत से आयातित वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा।

यह नया शुल्क आदेश जारी होने के 21 दिन बाद लागू होगा। हालांकि, वे वस्तुएं जो उस समय तक समुद्री मार्ग में हों और 17 सितंबर से पहले अमेरिकी सीमा शुल्क से क्लियर हो जाएं, उन्हें इस शुल्क से छूट दी जाएगी। आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यह अतिरिक्त शुल्क पहले से लागू अन्य शुल्कों के अतिरिक्त होगा, जब तक कि वे कुछ विशेष श्रेणियों या पहले से जारी व्यापार आदेशों में छूट के तहत न आते हों।

साथ ही, इन वस्तुओं को अमेरिकी सीमा शुल्क क्षेत्र में प्रिविलेज्ड फॉरेन स्टेटस के तहत लाया जाना होगा, जो सख्त सीमा शुल्क नियमों के अधीन होगा। ट्रंप ने इस आदेश में बदलाव का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखा है, ताकि भविष्य में भारत या रूस की नीति में बदलाव या जवाबी कार्रवाई की स्थिति में इसे संशोधित किया जा सके। इसके अलावा, आदेश में अमेरिकी वाणिज्य विभाग, विदेश विभाग, कोषागार विभाग और अन्य एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे अन्य देशों द्वारा रूस से तेल व्यापार की निगरानी करें और आवश्यकता पड़ने पर ऐसे ही कदमों की सिफारिश करें।

टैरिफ पर भारत से पंगा लेकर कैसे घिरे ट्रंप?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप जिस टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल कर दूसरे देशों पर दबाव बना रहे हैं, कहीं ये अमेरिका और उसकी विदेश नीते के लिए मुसीबत तो नहीं बन रहा। ये बात हम यूं ही नहीं कह रहे। ट्रंप के टैरिफ के कारण एक नया ग्लोबल ऑर्डर बनता दिख रहा है, जो ट्रंप के दांव को उल्टा साबित कर सकता है। भारत, ब्राजील और कई देशों पर भारी-भरकम शुल्क लगाकर ट्रंप ने इनका सामान अमेरिकी बाजार में महंगा कर दिया है। भारत को निशाना बनाते हुए ट्रंप का तर्क है कि वह रूस से तेल खरीदकर यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा दे रहा है।

इन टैरिफ के पीछे ट्रंप की मंशा साफ है रूस को यूक्रेन से समझौते पर मजबूर करना, भारत पर कृषि और डेयरी सेक्टर खोलने का दबाव डालना, चीन की मैन्युफैक्चरिंग को कमजोर करना और ब्राजील को उसकी मुखरता की सजा देना। लेकिन इसका असर यह हो रहा है कि ये देश अब मजबूती के साथ एक-दूसरे के करीब आते दिख रहे हैं। जो कहीं से भी अमेरिकी विदेश नीति के लिए अच्छा नहीं है। भारत, रूस, चीन, ब्राजील पहले ही से ब्रिक्स में होकर एक समानांतर वर्ल्ड ऑर्डर रच रहे हैं। अब इन देशों का व्यापार और निवेश बढ़ाने की योजना ट्रंप और अमेरिका की हालत पतली कर सकता है।

1- मोदी- लूला ने कल ट्रेड पर बात की

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल यानी गुरुवार को ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से फोन पर बात की है। ब्राजील भी भारत की तरह ही 50 फीसदी टैरिफ झेलने वाला देश है। ब्राजील के राष्ट्रपति ने ट्रंप के टैरिफ की खुलकर आलोचना भी की है। दोनों नेताओं के बीच ट्रेड, टेक्नॉलॉजी, एनर्जी, डिफेंस, एग्रीकल्चर और हेल्थ सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

2- चीन का कड़ा बयान

भारत के खिलाफ अमेरिका की टैरिफ पर चीन भी खुलकर सामने आया है। भारत में चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी कहावत का जिक्र करते हुए कहा कि टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल करना न केवल संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है, बल्कि यह WTO के नियमों को भी कमजोर करता है। ये न तो लोकप्रिय है और न ही टिकाऊ। चीन का संकेत साफ है वो इस मुद्दे पर भारत और ब्राजील जैसे देशों के साथ खड़ा रहना चाहता है। एक अहम बात और कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सात साल बाद चीन भी जा रहे हैं। वहां SCO समिट होना है।

3- BRICS की वापसी का मौका

Reuters की रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप के टैरिफ BRICS देशों, ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका को फिर से एकजुट कर सकते हैं। इन देशों के अलावा इसमें ईरान, इथियोपिया, इंडोनेशिया, मिस्र और UAE भी शामिल हैं। बीते कुछ वर्षों में यह समूह अपनी रफ्तार और सामंजस्य खोता दिख रहा था, लेकिन अब व्यापार, निवेश और अपनी मुद्राओं के इस्तेमाल जैसे मुद्दों पर यह एक साझा मोर्चा बना सकता है। ट्रंप के लिए ये किसी झटके से कम नहीं होगा क्योंकि उन्हें ब्रिक्स की एकजुटता हमेशा खटकती रही है। वे समय-समय पर ब्रिक्स देशों को 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की धमकी भी देते आए हैं।

4- पुतिन और डोभाल की हुई मुलाकात

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल इन दिनों मॉस्को में हैं और उन्होंने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की है। खबरे हैं कि वो जल्द भारत भी आ सकते हैं। विदेश मंत्री एस। जयशंकर भी इस महीने के अंत में रूस जाने वाले हैं। ये सभी गतिविधियां BRICS और वैकल्पिक साझेदारियों को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं।

5- यूरोप से भी उठ रही आवाज

ट्रंप के टैरिफ वार का असर यूरोप में भी महसूस किया जा रहा है। स्विट्ज़रलैंड में कुछ राजनेताओं ने अमेरिका से तीन दर्जन F-35A लड़ाकू विमानों की खरीद का समझौता रद्द करने की मांग उठाई है। करीब 7। 3 अरब स्विस फ्रैंक (9। 1 अरब डॉलर) के इस सौदे पर तब सवाल उठने लगे जब अमेरिका ने स्विट्जरलैंड पर 39% टैरिफ लगा दिया।

6- वैकल्पिक साझेदारियों की तलाश

The Guardian की एक खबर के मुताबिक कई देश अब ऐसे रास्ते तलाश रहे हैं जिनसे अमेरिकी दबाव कम किया जा सके। जैसे स्थानीय मुद्राओं में लेन-देन, संयुक्त बुनियादी ढांचा परियोजनाएं और वैकल्पिक वित्तीय संस्थानों को मजबूत करना। अगर ये रुझान आने वाले दिनों में तेज हुआ, तो दुनिया के व्यापार समीकरण बदल सकते हैं।

इजराइल में डटकर काम कर रहे हैं 6774 भारतीय लेकिन 220 वापस लौटे

तेल अवीव, एजेंसी। सरकार ने गुरुवार को इजराइल में काम करने वाले लोगों के बारे में जानकारी देते हुए संसद को सुचित किया। सरकार ने बताया कि नवंबर 2023 में हस्ताक्षरित हुए एक द्विपक्षीय फ्रेमवर्क समझौते के तहत इस साल 1 जुलाई तक 6 हजार से भी अधिक भारतीय कामगार काम के लिए इजराइल गए हैं। यह जानकारी विदेश राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने राज्यसभा उस प्रश्न का उत्तर देते हुए दी, जिसमें उन भारतीय मजदूरों की संख्या पूछी गई थी, जो अक्टूबर 2023 में इजराइल -हमास संघर्ष शुरू होने के बाद भारत से इजराइल गए थे। मंत्री सिंह ने राज्यसभा में बताया कि हमास इजराइल के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान पिछले साल मार्च में लेबनान से हुए एक हमले में एक भारतीय कृषि मजदूर मारा गया था। उन्होंने बताया कि इसका अलावा तीन अन्य नागरिक घायल हो गए थे, जिसमें पिछले साल अक्टूबर में गाजा से हुए इजराइल हमलों में एक और लेबनान से हमले में दो भारतीय नागरिक शामिल थे। सरकार ने कहा कि वह विदेशों में भारतीय नागरिकों और भारतीय कामगारों की सुरक्षा और कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि भारतीय नागरिकों को सुरक्षित, व्यवस्थित और कानूनी तरीके से सुगमता से इजराइल जाने के लिए एक द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत शुरू की गई थी और इस द्विपक्षीय समझौते पर नवंबर 2023 में हस्ताक्षर किए गए थे। मंत्री ने कहा कि इस समझौते के तहत 1 जुलाई तक 6,774 भारतीय कामगार काम के लिए इजराइल पहुंच चुके हैं। इसमें निर्माण क्षेत्र में 6,730 भारतीय नागरिक हैं और इजराइल पक्ष द्वारा उठाई गई मांग के आधार पर देखभालकर्ता के रूप में कार्यरत 44 भारतीय नागरिक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार इसके अलावा लगभग 7,000 भारतीय नागरिकों को देखभालकर्ता के रूप में और लगभग 6,400 भारतीय नागरिकों को निजी माध्यमों से निर्माण क्षेत्र में भर्ती किया गया है। विदेश राज्य मंत्री ने बताया कि काम करने के लिए इजराइल गए भारतीयों में लगभग 220 लोग वापस लौट आए है। उनके वापस लौटने की वजह कौशल असंतुलन और भाषा संबंधी बाधा है। मंत्री ने कहा कि हमारा दूतावास इजराइल में रह रहे भारतीयों के साथ नियमित संपर्क में रहता है और इजराइल में भारतीय कामगारों की सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए कई अहम कदम भी उठाता है। उन्होंने बताया कि भारतीय दूतावास इजराइल में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और घायलों के उचित उपचार और पीड़ितों को मुआवजा सुनिश्चित करने के लिए इजराइल अधिकारियों के साथ समन्वय करता है।

दिल्ली में ऐसा क्या बोल गए फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस, जिससे आग बबूला हो गया चीन

फिलिपींस। भारत दौरे पर आए फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर के एक बयान पर चीन आग बबूला हो गया है। दरअसल, नई दिल्ली में एक सवाल के जवाब में फिलीपींस के राष्ट्रपति मार्कोस ने जंग की स्थिति में ताइवान के साथ खड़े रहने की बात कही है, जिस पर चीन भड़क गया है। चीन का कहना है कि फिलिपींस आग से खेल रहा है।

चीन विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का कहना है कि ताइवान हमारा आंतरिक मामला है। मनीला इस पर बयान देकर स्थिति को खराब करने की कवायद कर रहा है। उसे इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।

नई दिल्ली में एक इंटरव्यू के दौरान मार्कोस ने कहा कि अगर ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन आपस में जंग लड़ता है तो न चाहते हुए भी हमें जंग में कूदना पड़ेगा। मार्कोस के मुताबिक अपनी भौतिक और भौगोलिक क्षेत्रों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है।

मार्कोस ने कहा कि चीन विस्तारवादी सिद्धांत पर आगे बढ़ रहा है। एक तरफ जहां ताइवान की घेराबंदी कर रहा है। वहीं दूसरी तरफ दक्षिण चीन सागर में लगातार अपने जहाजों की संख्या बढ़ा रहा है। चीन उकसावे की कार्रवाई कर रहा है।

मार्कोस पर चीन आग बबूला क्यों है?

फिलीपींस ताइवान को अब तक एक संप्रभु राष्ट्र नहीं मान रहा था, लेकिन अब उसका रूख बदल गया है, जिसने चीन की टेंशन बढ़ा दी है। शुक्रवार को चीन के विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि फिलीपींस आग से खेल रहा है और उसे इसमें सतर्क रहने की जरूरत है।

चीनी विदेश मंत्रालय के मुताबिक फिलीपींस अपने वादों से मुकर रहा है, जब फिलीपींस ताइवान को अलग राष्ट्र नहीं मानता है तो फिर उसको लेकर उकसावे वाला बयान क्यों दे रहा है? दरअसल, अमेरिका और फिलीपींस जैसे कई राष्ट्र ताइवान को अलग देश नहीं मानता है। हालांकि, अमेरिका ताइवान की कार्यवाहक सरकार को हथियार जरूर मुहैया कराता है। चीन ने मार्कोस के बयान को अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। चीन का कहना है कि इससे क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और लोगों के मौलिक हितों को नुकसान पहुंचेगा।

चीन और फिलीपींस में विवाद क्या है?

चीन और फिलीपींस दोनों ही दक्षिण चीन सागर के स्कारबोरो शोल और अन्य बाहरी क्षेत्रों पर दावा करते रहे हैं। 2012 में चीन ने स्कारबोरो शोल पर कब्जा जमा लिया। 2016 में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय ने चीन के इस शोल को लेकर चीन के खिलाफ फैसला दिया, लेकिन चीन इसे नहीं मानता है। अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का कहना है कि चीन दक्षिण चीन सागर के कई विवादित क्षेत्रों पर भी कब्जा जमा लिया है, जो उसका कभी नहीं रहा है। 2024 में फिलीपींस और चीन के बीच टकराव तब और ज्यादा बढ़ गया, जब बीजिंग ने दक्षिण चीन सागर में अपना समुद्री बेड़ा उतार दिया।

'लोकतंत्र की साख बचाना जरूरी, EC जल्द करे कार्रवाई', राहुल गांधी को मिला शशि थरूर का साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाने के बाद देशभर में बयानबाजी तेज हो गई है। इसी बीच राहुल के आरोपों पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। थरूर ने शुक्रवार को राहुल गांधी द्वारा चुनावों में धांधली के लगाए गए आरोपों को गंभीर बताया है। उन्होंने कहा कि इन सवालों पर सभी दलों और मतदाताओं के हित में गंभीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने चुनाव आयोग से तुरंत कार्रवाई करने की मांग की है।

थरूर ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि हमारा लोकतंत्र बहुत कीमती है, इसे लापरवाही, अयोग्यता या जानबूझकर की गई छेड़छाड़ से कमजोर नहीं होने देना चाहिए। चुनाव आयोग को तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए और देश को जानकारी देते रहना चाहिए। बता दें कि थरूर ने कांग्रेस द्वारा साझा किए गए राहुल गांधी के प्रेस कॉन्फ्रेंस के वीडियो को टैग करते हुए यह टिप्पणी की। उस प्रेस कॉन्फ्रेंस में राहुल गांधी ने चुनावों में बड़ी आपराधिक साजिश का आरोप लगाया था और दावा किया कि भाजपा और चुनाव आयोग की मिलीभगत से यह हुआ है।

राहुल ने कर्नाटक के एक सीट का दिया था उदाहरण

अपने बयान में राहुल गांधी ने कहा था कि कर्नाटक की एक सीट पर किए गए विश्लेषण से यह बात सामने आई है और यह संविधान के खिलाफ अपराध है। उन्होंने कहा कि इस तरह का वोट चोरी मॉडल देश के कई हिस्सों में इस्तेमाल किया गया और अब न्यायपालिका को भी इसमें दखल देना चाहिए, क्योंकि जिस लोकतंत्र से हम प्यार करते हैं, वह अब अस्तित्व में नहीं है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस के पास जो सबूत हैं, वो आपराधिक प्रमाण हैं, और चुनाव आयोग देशभर में ऐसे सबूत नष्ट करने में लगा है।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर लगाया देशद्रोह करने का आरोप

राहुल ने चुनाव आयोग को खुली चेतावनी देते हुए कहा मैं चुनाव आयोग और उसके अधिकारियों से साफ कहता हूं जो आप कर रहे हैं वो देशद्रोह है। वक्त आएगा, हम आपको पकड़ेंगे और छोड़ेंगे नहीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने सिर्फ वोटर जोड़ने वाले मामलों की जांच की है, जबकि वोटर हटाने के मामले इससे भी ज्यादा हो सकते हैं। चुनावों के नतीजे जनता के मूड से उलट क्यों आते हैं?साथ ही राहुल ने बताया कि कई बार उन्होंने महसूस किया कि जनता में गुस्सा था, फिर भी कांग्रेस चुनाव हार गई। उदाहरण देते हुए उन्होंने उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की घटनाओं को याद किया और कहा कि कई जगह 'चमत्कारी वोटर' सामने आए, जो अचानक लोकसभा और विधानसभा चुनावों के बीच वोटर लिस्ट में जुड़ गए और उनका वोट सीधा भाजपा को गया।

जस्टिस प्रशांत कुमार वाला ही नहीं, पॉक्सो के इस मामले में भी इलाहाबाद हाईकोर्ट को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई थी फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक आदेश पर इस 6 अगस्त को चिंता व्यक्त की थी। इलाहाबाद हाईकोर्ट का वो आदेश पॉक्सो से संबंधित था। सर्वोच्च अदालत ने कहा था कि हाईकोर्ट ने अपना आदेश देते हुए कानूनी सिद्धांतों की परवाह नहीं की। इलाहाबाद हाईकोर्ट में ये मामला आसिफ पाशा बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के नाम से सुना जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने तब कहा कि ये इलाहाबाद हाईकोर्ट का एक और ऐसा फैसला था जिस पर सर्वोच्च अदालत को नाराज होना पड़ा।

सुप्रीम कोर्ट में ये टिप्पणी वरिष्ठ जज जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर। महादेवन की पीठ ने किया था। इसी पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज प्रशांत कुमार को आपराधिक मुकदमा सुनने से मना कर दिया था। जिसका इलाहाबाद हाईकोर्ट के जजों ने विरोध किया। और फिर आज सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश बीआर गवई के हस्तक्षेप के बाद जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस महादेवन को अपना फैसला वापस लेना पड़ा।

इलाहाबाद हाईकोर्ट क्यों विवादों में

जहां तक पॉक्सो वाले मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की चिंता की बात है, तो यहां अदालत आसिफ उर्फ पाशा की तरफ से दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। आसिफ को पॉक्सो कानून के तहत मेरठ की विशेष अदालत ने 4 साल की सजा सुनाई थी। आसिफ ने इसे इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दिया था। इलहाबाद हाईकोर्ट में उसकी याचिका अब भी लंबित है। पर अदालत ने उसकी सजा को निरस्त करने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि चूंकि ये मामला निर्धारित सजा वाला था और ऐसा मामला था नहीं जहां उम्रकैद जैसी सजा हो तो फिर अदालत को उसकी सजा को रद्द करने जैसे याचिका पर गौर करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के रुख और उनके तरीके की आलोचना की थी। ये अपने आप में दिलचस्प है कि लगातार एक के बाद एक नए मामले या जज इलाहाबाद हाईकोर्ट से जुड़े हुए विवादित हुए जा रहे हैं।

भिवंडी हादसे पर सख्त हुआ बॉम्बे हाईकोर्ट, निर्माण स्थलों की सुरक्षा पर दोबारा उठाया सवाल

मुंबई, एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हाल ही में भिवंडी में हुए एक गंभीर हादसे के बाद 2024 में दायर की गई याचिका को फिर से खोल दिया है। यह याचिका मुंबई और आसपास के इलाकों में ऊंची इमारतों और निर्माण स्थलों पर हो रही सुरक्षा लापरवाहियों को लेकर थी। दरअसल, 5 अगस्त को ठाणे जिले के भिवंडी इलाके में एक निर्माणाधीन मेट्रो साइट से एक लोहे की रॉड चलती हुई ऑटो रिक्शा पर गिर गई, जो सीधे एक 20 साल के युवक के सिर में घुस गई, जिससे युवक बुरी तरह घायल हो गया।

यह युवक ऑटो में यात्री के रूप में सफर कर रहा था। इस घटना से लोगों में भारी दहशत है। मामले में इस घटना पर चिंता जताते हुए न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और आरिफ डॉक्टर की पीठ ने कहा कि ऐसी लापरवाह घटनाएं लगातार हो रही हैं, जबकि 2023 में हाईकोर्ट के निर्देश पर एक विशेषज्ञ समिति बनाई गई थी, जिसने निर्माण स्थलों की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए थे। लेकिन अभी तक उन सिफारिशों को सभी नगर निगमों और प्लानिंग अथॉरिटीज को नहीं भेजा गया है। मामले में अगली सुनवाई की तारीख 12 अगस्त तय की गई है। मामले में सुनवाई के दौरान कोर्ट ने अपनी पुरानी टिप्पणी को दोहराते हुए कहा कि हमने आशा जताई थी कि मुंबई की ऊंची इमारतों के निर्माण से किसी भी आम आदमी की जान को खतरा नहीं होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह से जान को खतरे में डालना संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और आजीविका के अधिकार का उल्लंघन है। ऐसे में अब जबकि समिति ने अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, कोर्ट ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) को निर्देश दिया है कि वह समिति की सिफारिशें रिकॉर्ड पर रखे, ताकि राज्य सरकार उन्हें सभी नगर निगमों और नियोजन प्राधिकरणों तक भेज सके।

बेहतरीन आवाज की मालकिन तो डांसिंग में शानदार, बेहद ग्लैमरस है आकृति कक्कड़

जब बात दिल को छू लेने वाली आवाज और मंच पर थिरकते कदमों की हो, तो बॉलीवुड में एक नाम जो तुरंत जेहन में आता है, वो आकृति कक्कड़ का है। 7 अगस्त को जन्मीं सिंगर ने सुरीली आवाज और बिंदास अंदाज से लाखों दिलों में जगह बनाई है।

आकृति कक्कड़ ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-छोटे कदमों से की, लेकिन उनकी प्रतिभा ने उन्हें बॉलीवुड के बड़े प्लेटफॉर्म तक पहुंचा दिया। दिल्ली में जन्मीं और पली-बढ़ी आकृति ने संगीत की दुनिया में कदम रखते ही सबका ध्यान खींच लिया। उनके हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया में गाए गाने सैटरडे सैटरडे और 2 स्टेट्स के इसकी उसकी ने न सिर्फ चार्टबस्टर्स पर राज किया, बल्कि युवाओं की प्लेलिस्ट में भी जगह बनाई। इन गानों में उनकी एनर्जी और मस्ती ने हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इसके अलावा, खुदाया खैर और आज दिन चढ़ेया जैसे गाने उनकी गायकी की गहराई को दिखाते हैं। आकृति ने न सिर्फ बॉलीवुड में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि अप्रैल 2010 में अपने सोलो एल्बम आकृति को रिलीज कर एक नया मुकाम हासिल किया।

इस एल्बम में शंकर महादेवन के साथ मिलकर उन्होंने गीतों को कंपोज भी किया, जो उनकी कला को और भी शानदार अंदाज में पेश करता है। उनके गाए माशा अल्लाह गाने को भी काफी पसंद किया गया।

हालांकि, उनका गाना रिंग डायमंड दी विवादों में भी रहा, जब इसे गर्ल्स जेनरेशन के कुछ गानों से प्रेरित होने का आरोप लगा।

आकृति न सिर्फ अपनी आवाज, बल्कि अपने डांस और ग्लैमरस अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। अपने बेटे के जन्म के महज 20 दिन बाद मंच पर नंगे पांव बलम पिचकारी गाते हुए उनकी एनर्जेटिक परफॉर्मेंस ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया। उनकी परफॉर्मेंस को खूब पसंद किया गया। आकृति ने खुद कहा, ताकत अप्रत्याशित जगहों से मिलती है और मुझे ये मेरे छोटे बच्चे से मिली।

आकृति की दो बहनें, सुकृति और प्राकृति कक्कड़ भी प्लेबैक सिंगर हैं, और तीनों बहनों ने मिलकर संगीत की दुनिया में एक से बढ़कर एक गाने दिए हैं। आकृति ने साल 2016 में डायरेक्टर चिराग अरोड़ा से शादी की और साल 2023 में बेटे को जन्म दिया। वह अपनी पर्सनल लाइफ को निजी रखना पसंद करती हैं, लेकिन फैंस के लिए सोशल मीडिया पर अपनी और परिवार की तस्वीरें पोस्ट करती रहती हैं।

'यह गाना मुझे अंदर तक हिला देता है', प्रियंका चोपड़ा ने की निक जोनस के परफॉर्मेंस की प्रशंसा

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर निक जोनस की एक खास तस्वीर शेयर की है और साथ ही उनकी परफॉर्मेंस की तारीफ करते हुए एक प्यारा नोट लिखा है।

प्रियंका चोपड़ा, जो आज दुनिया की मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं, अपनी बॉलीवुड और हॉलीवुड फिल्मों से सभी का दिल जीत रही हैं। प्रियंका ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस को अपडेट रखती हैं और अपनी बेटी मालती मैरी की प्यारी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। आज उन्होंने निक जोनस की एक खास तस्वीर सोशल मीडिया की स्टोरी पर शेयर की और लिखा 'लव्ड यू बेटर'

प्रियंका ने की निक की तारीफ

हाल ही में, प्रियंका ने अपने पति निक जोनस के गाने 'लव्ड यू बेटर' की परफॉर्मेंस को इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया और लिखा कि यह गाना उन्हें बहुत भावुक कर देता है। फैंस ने भी उनकी इस पोस्ट पर ढेर सारी प्रतिक्रियाएं दी हैं। कई फैंस ने प्रियंका की इस इंस्टाग्राम स्टोरी पर लाल दिल वाले और फायर इमोजी बरसाए हैं।

भारत आने से पहले देखा था अलादिन शो

हाल ही में भारत आने से पहले, प्रियंका, निक और उनकी बेटी मालती ने न्यूयॉर्क में ब्रॉडवे शो 'अलादीन' देखा। प्रियंका ने इस खास पल की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा कि यह उनके परिवार के लिए जादुई अनुभव था। उन्होंने शो के भारतीय कलाकारों की तारीफ भी की।

प्रियंका और निक की शादी

2018 में प्रियंका और निक की शादी हुई थी। जो हिंदू और ईसाई रीति-रिवाजों के साथ हुई। प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस की शादी में कई बॉलीवुड और हॉलीवुड हस्तियां शामिल हुई थीं। 2022 में, उन्होंने सरोगेसी के जरिए अपनी बेटी मालती का स्वागत किया।

प्रियंका का वर्कफ्रंट

हाल ही में प्रियंका हॉलीवुड फिल्म 'हेड्स ऑफ स्टेट' में नजर आईं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब प्रियंका इन दिनों हैदराबाद में अपनी नई फिल्म 'SSMB29' की शूटिंग कर रही हैं। इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसके अलावा प्रियंका 'द ब्लफ' और 'सिटाडेल 2' में नजर आएंगी।

एक्शन से भरपूर मास जतारा की रिलीज डेट आउट, रवि तेजा और श्रीलीला की फिल्म 27 अगस्त को सिनेमाघरों में आएगी

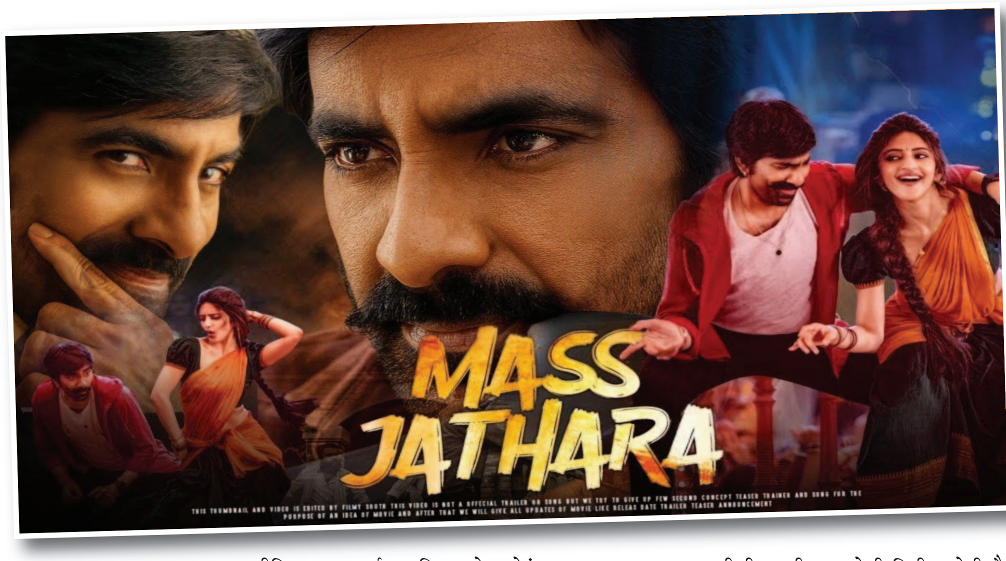

बहुप्रतीक्षित फिल्म मास जत्था आधिकारिक तौर पर 27 अगस्त यानी गणेश चतुर्थी के वीकेंड पर भरपूर मनोरंजन के साथ रिलीज़ होने के लिए तैयार है! विंटेज वाइब्स और पक्के कमर्शियल सेटअप के साथ, यह फिल्म सिनेमाघरों में एक सामूहिक उत्सव का अनुभव देने वाली है। अब तक रिलीज़ हुई हर फिल्म ने मनोरंजन का भरपूर तड़का लगाया है और एक धमाकेदार धमाके की ओर अग्रसर है।

निर्माताओं ने हाल ही में पहला गाना रिलीज़ किया है, जिसे अपनी ज़बरदस्त ऊर्जा और ज़बरदस्त वाइब के लिए खूब वाहवाही मिली है। श्रीलीला इसमें मुख्य भूमिका में हैं और जब भी रवि तेजा और श्रीलीला की यह जोड़ी रिलीज़ होती है, बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाना तय है।

चार्ट टॉपिंग और दर्शकों के पसंदीदा संगीत निर्देशक भीम्स सेसिरोलीओ ने एक बार फिर दर्शकों के दिलों पर राज करने वाला साउंडट्रैक तैयार किया है।

निर्देशक भानु भोगवरपु ने हर चीज़ को एक बेहतरीन सेटअप के साथ गढ़ा है और दर्शकों और प्रशंसकों को उस ऊर्जावान अवतार से बांधे रखने में कामयाब रहे हैं जिसे देखने के लिए हम सभी मास महाराज रवि तेजा से उत्साहित हैं। विधु अय्याना की सिनेमैटोग्राफी ने अब तक अपने दृश्यों के माध्यम से सभी जीवंत व्यावसायिक वाइब्स को उभारा है। और राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता नवीन नूली के संपादन के साथ, आप जानते हैं कि यह फिल्म अपने लक्ष्य को छुएगी, उनका अनुभव हमेशा एक अतिरिक्त धार लाता है जो इसे एक बेहतरीन फेस्टिवल फिल्म बनाता है..!!

नागा वामसी और साई सौजन्या द्वारा प्रतिष्ठित बैनर सीथारा एंटरटेनमेंट्स, फॉर्च्यून फोर सिनेमाज़ और श्रीकारा स्टूडियोज़ के तहत निर्मित, यह नाम किसी परिचय का मोहताज नहीं है क्योंकि यह लगातार ब्लॉकबस्टर फ़िल्में देकर लगातार सफलता की राह पर है। इस बार, वे एक ऐसी फिल्म के साथ प्रशंसकों की प्यास बुझाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं जो इस त्योहारी सीज़न में ज़बरदस्त उत्साह पैदा करने वाली है।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित । शाखा कार्यालयः S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website : aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्कः 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com